रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, शनिवार 28 दिसंबर 2024, वर्ष 10, अंक 346 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

मोमेंटम झारखण्ड मामले में अबतक क्या कार्रवाई हुई युवक ने RTI के तहत ACB से पूछा सवाल

स्टेट ब्यूरो, झारखण्ड। रांची।मोमेंटम झारखण्ड मामले की चर्चा एक बार फिर होने लगी है। इसकी शिकायत एसीबी में दर्ज कराने वाले सोशल एक्टिविस्ट पंकज यादव ने आरटीआई लगाकर एसीबी से पूछा है कि अबतक इस मामले में क्या कार्रवाई हुई है? दरअसल साल 2020 में 09 जनवरी को पंकज कुमार यादव ने जनसभा नामक संस्था के बैनर तले मोमेंटम झारखण्ड के आयोजन में हुए 100 करोड़ के भ्रस्टाचार का आरोप लागते हुए पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, राजबाला बर्मा, सुनील वर्णमाल, के रवि कुमार, अजय कुमार समेत अन्य लोगो पर जाँच कर कार्रवाई की मांग की थी।

पंकज का आरोप था कि तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास ने अपना चेहरा चमकाने के लिए मोमेंटम झारखण्ड नाम से एक इवेंट का आयोजन किया था। जिसमे झारखण्ड की जनता के 100 करोड़ रूपये विदेशो में रोड शो करने में फर्जी कंपनी से करोड़ो के एमओयू साइन करने में तथा अपने चेहते को इवेंट का ठेके दिलाने में खर्च कर दिए। इस मोमेंटम झारखण्ड के आयोजन से ना तो कोई कंपनी झारखण्ड में इन्वेस्ट करने आयी ना ही झारखंडी युवकों को रोजगार मिल पाया। पंकज यादव के इस आवेदन पर एसीबी ने पीई दर्ज कर जाँच शुरू कर दी थी। बाद में इस मामले को सीआईडी ने भी ले लिया था।

पंकज यादव ने अपने आरटीआई में एसीबी से ये पूछा है कि अब तक मोमेंटम झारखण्ड मामले में क्या कार्रवाई हुई है। उन्होंने एसीबी से ये भी जानना चाहा है कि रघुवर दास, राजबाला वर्मा को नोटिस जारी हुआ है कि नहीं। साथ ही पंकज ने अबतक इस जाँच प्रकरण में एसीबी द्वारा की गयी सम्पूर्ण जाँच की रिपोर्ट भी मांगी है ताकि वे इस मामले को झारखण्ड हाई कोर्ट के संज्ञान में ला सके। पंकज यादव के इस आरटीआई पर एसीबी क्या जानकारी उन्हें उपलब्ध कराती है ये तो देखने वाली बात है। बहरहाल देखना दिलचस्प होगा सालों बाद मोमेंटम झारखण्ड का खुला यह जिन्न झारखण्ड की राजनीति में कौन सा रंग डालता है।

पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जताया दुख, लिखा- आज देश ने अपना महा लाल खो दिया

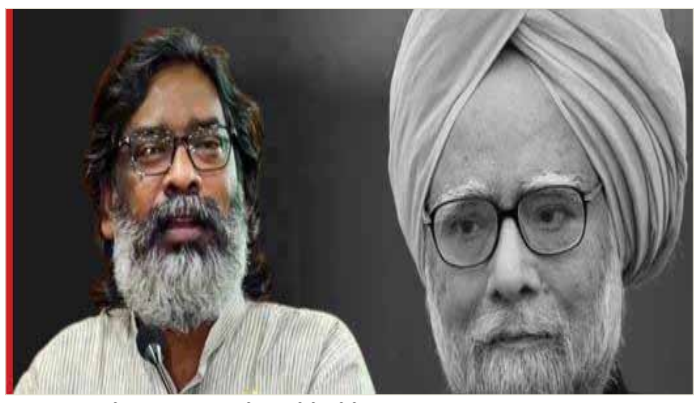

रांचीः भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और दिग्गज अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह के निधन पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने सोशल मीडिया के X हैंडल पर पोस्ट कर लिखा "आज देश ने अपना एक महान लाल खो दिया। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और विश्वविख्यात अर्थशास्त्री आदरणीय श्री मनमोहन सिंह जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखदायी है। विकासशील राजनीति और गवर्नेंस के पुरोधा आदरणीय मनमोहन सिंह जी ने निःस्वार्थ भाव के साथ देश और देशवासियों की सेवा में अपना पूरा जीवन लगा दिया था। आज मनमोहन सिंह जी हमारे बीच नहीं हैं, मगर उनके आदर्श और विचार हमें हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। मरांग बुरु दिवगंत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवार समेत देशवासियों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति और साहस दे।" **आज देश ने अपना एक महान लाल खो दिया।** देश के पूर्व प्रधानमंत्री और विश्वविख्यात अर्थशास्त्री आदरणीय श्री मनमोहन सिंह जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखदायी है।

मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा कल सुबह

पार्थिव शरीर कांग्रेस मुख्यालय लाया जाएगा, मोदी-शाह ने घर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली पीएम नरेंद्र मोदी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात निधन हो गया। वे 92 साल के थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने उनके आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इधर, केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में पूर्व पीएम को श्रद्धांजलि दी गई और शोक प्रस्ताव पारित किया गया।

मनमोहन लंबे समय से बीमार थे। घर पर बेहोश होने के बाद उन्हें रात 8:06 बजे दिल्ली AIIMS लाया गया था। हॉस्पिटल बुलेटिन के मुताबिक, रात 9:51 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली। उनकी अंतिम यात्रा शनिवार 28 दिसंबर को सुबह 9:30 बजे दिल्ली स्थित AICC (ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी) मुख्यालय से शुरू होगी। यह जानकारी कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दी। उन्होंने बताया- शनिवार सुबह 8 बजे डॉ. सिंह का पार्थिव शरीर उनके आवास से AICC मुख्यालय लाया जाएगा, जहां सुबह 8:30 बजे से 9:30 बजे तक लोग और कांग्रेस कार्यकर्ता उन्हें श्रद्धांजलि दे सकेंगे। देश के पहले सिख पीएम, सबसे लंबे समय इस पद पर रहने वाला चौथे नेता मनमोहन सिंह, 2004 में देश के 14वें प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने मई 2014 तक इस पद पर दो कार्यकाल पूरे किए थे। वे देश के पहले सिख और सबसे लंबे समय तक रहने वाले चौथे प्रधानमंत्री थे। मनमोहन सिंह के निधन के चलते केंद्र सरकार ने 7 दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। साथ ही शुक्रवार को होने वाले सभी कार्यक्रम कैंसिल कर दिए गए हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे बेलगावी से देर रात दिल्ली पहुंचने के बाद सीधे मनमोहन सिंह के आवास गए थे। राहुल ने X पर लिखा- मैंने अपना मार्गदर्शक और गुरु खो दिया। इस बीच, कर्नाटक के बेलगावी में चल रही कांग्रेस वर्किंग कमेटी (CWC) मीटिंग रद्द कर दी गई। कांग्रेस स्थापना दिवस से जुड़े आयोजन भी कैंसिल हो गए हैं। पार्टी के इवेंट 3 जनवरी के बाद शुरू होंगे। मनमोहन का पार्थिव शरीर कल कांग्रेस मुख्यालय में रखा जाएगा, जहां आम लोग उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। जानकारी के मुताबिक, मनमोहन का अंतिम संस्कार कल होगा। उ

जानें क्या है राव–मनमोहन मॉडल, 1990 के दशक में पहले PPP प्राइवेटीजेशन पर क्या है खास!

प्राइवेट सेक्टर में नौकरी देने के तहत प्राइवेटीजेशन, ग्लोबलाइजेशन और लिबरा–लाइजेशन की नींव को राव और मनमोहन मॉडल कहते हैं।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भले नहीं रहे। 92 साल की उम्र में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर 24 को दिल्ली स्थित एम्स अस्पताल में निधन हुआ। लेकिन उनके किए गए कार्य को देश दुनिया हमेशा याद करती रहेगी। कैसे ब्रिटिश सरकार द्वारा लागू पीपीपी मॉडल को रेल परियोजना में निवेश करने के लिए भारत में पहला पीपीपी मॉडल के रूप में 1999 में प्रस्तुत कर देश को नई दिशा दी गई। बात 1991–1996 की है। जब तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव के नेतृत्व में बनी सरकार में डॉ मनमोहन सिंह बतौर वित्त मंत्री के रूप में शामिल थे। मनमोहन ने राव सरकार को सुझाया था कैसे उदारीकरण नीतियां लागू करने से निजी खिलाड़ियों के लिए सार्वजनिक परियोजनाओं में निवेश के दरवाजे तो खुलेंगे। देश की वित्तीय व्यवस्था में सुधार मिलेगा। लेकिन बाद में इसके कई दुष्परिणाम दिखे। लोग मनमाने ढंग से अपनो को सरकारी सेवाओं का लाभ दिलाने में जुट गए।

हालांकि तत्कालीन रेल मंत्री रहते लालू प्रसाद यादव ने संसद में अपने ही सरकार के इस पीपी मॉडल का जमकर मजाक उड़ाया कर था। लेकिन 1990 के दशक में भारत के पहले उदारीकरण की लहर में पीपीपी मॉडल को बढ़ावा देने के कई प्रयास भी किए गए।

देश की सोना गिरवी रखकर देश चलाने की थी नौबत, राव-मनमोहन ने उबारा :

देश की सोना गिरवी रखकर देश की आर्थिक स्थिति सुधारने का 1991 और 1996 का यह एक वह दौर था जब भारत की अर्थव्यवथा बेहद नाजुक हालत में थी। और भारत के पास महज 5.80 अरब डॉलर विदेशी मुद्रा बची थी। लेकिन पूर्व पीएम मनमोहन सिंह और नरसिम्हा राव ने मिलकर देश को आर्थिक संकट से निकालकर देश की आर्थिक दिशा दशा को ही बदल डाली।

प्राइवेट कंपनियों की हुई बल्ले बल्ले : 2004 से लेकर 2014 तक दस वर्षों तक देश की बागडोर संभाले पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने एलपीजी मॉडल के तहत ही विदेशी कंपनियों को सबसे पहले भारत में लाने का निर्णय तैयार किया था। और देश के प्राइवेट कंपनियों ने एक नई उड़ान मिली थी।

2014 में, सरकार ने रेलवे के लिए अब तक के सबसे बड़े व्यय की योजना पेश की, जो 654 बिलियन (USD 9.1 बिलियन) थी। जिसमें मुंबई-अहमदाबाद नेटवर्क पर बुलेट ट्रेन शुरू करने का भी प्रस्ताव रखा गया। सरकार ने लगातार बजट में व्यय को बढ़ाकर 1.2 ट्रिलियन रुपये कर दिया है। और ऑनबोर्ड सेवाओं के साथ सुपरफास्ट ट्रेनें शुरू की हैं। सरकार ने भारतीय रेलवे स्टेशन विकास निगम (IRSDC) की भी स्थापना की, जो एक नोडल एजेंसी है जिसका काम भारत में स्टेशनों का पुनर्विकास करना है। आदर्श स्टेशन योजना (ASS) के तहत, भारतीय रेलवे ने 1,253 स्टेशनों की पहचान की है, जिनमें से 1,103 का पुनर्विकास पहले ही किया जा चुका है।

भाजपा अध्यक्ष ने खुद को कोड़े मारकर प्रोटेस्ट किया

चेन्नई तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने कोयंबटूर में अपनी पीठ पर 6 बार कोड़े मारकर प्रदर्शन किया। चेन्नई की अन्ना यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग की सेकेंड ईयर स्टूडेंट के साथ 23 दिसंबर को रेप हुआ था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन पीड़ित की पहचान सार्वजनिक कर दी है। चेन्नई के पुलिस कमिश्नर ए अरुण ने गुरुवार को बताया कि FIR के IPC से BNS में बदलने के दौरान ऑटोमेटिक लॉकिंग प्रोसेस लेट हुई। FIR लॉक नहीं हो पाई तो तकनीकी गड़बड़ी के कारण लीक हो गई। इस चूक के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ जल्द ही केस दर्ज करेंगे। उधर, तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने शुक्रवार सुबह राज्य सरकार के खिलाफ प्रोटेस्ट किया। प्रदर्शन के लिए उन्होंने खुद को 6 बार कोड़े मारे। उन्होंने कहा कि आरोपी DMK का नेता है। उसे बचाया जा रहा है। जब तक DMK सत्ता से बाहर नहीं हो जाती, मैं कोई फुटवियर नहीं पहनूंगा। उन्होंने भगवान मुरुगन के सभी 6 धामों में जाने के लिए 48 दिनों के उपवास की भी घोषणा की।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने कहा कि जब तक DMK सत्ता से नहीं चले जाती, मैं फुटवेयर नहीं पहनूंगा।

ओबामा ने कहा था- जब मनमोहन बोलते हैं, पूरी दुनिया सुनती है

ब्यूरोक्रेसी से लेकर राजनीति तक डॉ. मनमोहन सिंह ने 53 साल तक काम किया। वे 1971 में पहली बार केंद्र सरकार के सलाहकार बने और 2004 में PM बनकर देश का नेतृत्व किया। वे 2024 तक राज्यसभा सांसद रहे। सितारों के आगे जहां और भी हैं... संसद में ये शेर पढ़ने वाले डॉ. मनमोहन सिंह अपने आखिरी सफर पर निकल चुके हैं। 92 साल के मनमोहन ने 26 दिसंबर की रात 9:51 बजे दिल्ली AIIMS में अंतिम सांस ली। AIIMS के मुताबिक अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद रात 8:06 बजे गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल लाया गया था। देश के 14वें प्रधानमंत्री रहे मनमोहन बेहद कम बोलते थे। हालांकि, आधार, मनरेगा, RTI, राइट टु एजुकेशन जैसी स्कीम्स उनके कार्यकाल में ही लॉन्च हुईं, जो आज बेहद कारगर साबित हो रही हैं। मनमोहन पहचान राजनेता से ज्यादा अर्थशास्त्री के तौर पर रही। देश की इकोनॉमी को नाजुक दौर से निकालने का क्रेडिट भी उन्हें दिया जाता है। कम ही लोगों को पता है कि डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री आवास में रहने के बावजूद खुद को आम आदमी कहते थे। उन्हें सरकारी BMW से ज्यादा अपनी मारुति 800 पसंद थी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपनी किताब में लिखा था- जब मनमोहन बोलते हैं तो पूरी दुनिया सुनती है। **दादा-दादी ने पाला, लालटेन में पढ़े** मनमोहन सिंह पाकिस्तान से विस्थापित होकर हल्द्वानी आए थे। बचपन में मां का निधन हो गया। दादा-दादी ने पाला। गांव में लालटेन की रोशनी में पढ़ाई की। पिता चाहते थे कि वे डॉक्टर बनें इसलिए प्री-मेडिकल कोर्स में दाखिला लिया। हालांकि, कुछ महीनों बाद ही उन्होंने कोर्स छोड़ दिया। **स्पीच की स्क्रिप्ट उर्दू में लिखते थे** मनमोहन सिंह की शुरुआती पढ़ाई उर्दू में हुई थी। जब प्रधानमंत्री बने, तब भी स्पीच की स्क्रिप्ट उर्दू में ही लिखते थे।

26 नवंबर से भूख हड़ताल पर हैं किसान नेता किसान नेता

किसान नेता डल्लेवाल के जीवन और सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता, जानिए क्या-क्या कहा

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शनकार कर रहे किसानों के मामले की सुनवाई किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के जीवन और सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है। डल्लेवाल किसानों की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को निर्देश दिया है कि वह डल्लेवाल की मेडिकल सहायता सुनिश्चित करने के लिए तमाम उपाय करें। **26 नवंबर से भूख हड़ताल पर हैं किसान नेता** किसान नेता डल्लेवाल 26 नवंबर से खनौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। वे केंद्र सरकार से किसानों की मांगों को स्वीकार करने का आग्रह कर रहे हैं, जिसमें फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की कानूनी गारंटी भी शामिल है। **सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को जारी किया नोटिस**

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस सुधांशु धुलिया की वेकेशन बेंच ने शुक्रवार को पंजाब सरकार को नोटिस भी जारी किया है। शीर्ष अदालत के आदेश के पालन नहीं होने के आरोपों के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर मामला कानून व्यवस्था की स्थिति से संबंधित है तो इसे सख्ती से संभाला जाए। किसी की जान खतरे में है और इस बात को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सही तरह से मेडिकल सहायता दिया जाना चाहिए लेकिन यह धारणा बन रही है कि आप (राज्य सरकार) इसका पालन नहीं कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को कहा है कि वह शनिवार तक अमल रिपोर्ट पेश करें।

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से फोन पर बात करके व एक पत्र लिखकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से पुरजोर अनुरोध किया कि भारत के सपूत सरदार मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार व स्मारक स्थापित करना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद क्या पोस्ट कर प्रधानमंत्री मोदी ने किया

नई दिल्लीः भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक जताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया के X हैंडल पर पोस्ट कह लिखा, "भारत अपने सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर शोक मनाता है। साधारण परिवार से उठकर वह एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री बने। उन्होंने वित्त मंत्री सहित विभिन्न सरकारी पदों पर कार्य किया और वर्षों तक हमारी आर्थिक नीति पर एक मजबूत छाप छोड़ी। संसद में उनका हस्तक्षेप भी व्यावहारिक था। हमारे प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए।"

आर्थिक सुधारों के महानायक के रूप में जाने जाएंगे डॉ मनमोहन सिंह : सुबोधकांत

रांची/नई दिल्लीः पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह के निधन के समाचार से मैं शोकाकुल हूं। वे एक महान अर्थशास्त्री और उत्कृष्ट नेता थे। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के रूप में देश के प्रति उनका योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा। श्री सहाय ने कहा कि वर्ष 2004 से लेकर वर्ष 2014 तक डॉ.मनमोहन सिंह के मंत्रिमंडल में शामिल होकर कार्य करने का उन्हें अवसर प्राप्त हुआ। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री के रूप में देश के आर्थिक विकास में उनका अविस्मरणीय योगदान रहा है। झारखंड से भी उनका गहरा लगाव था। औद्योगिक विकास के प्रति उनकी सकारात्मक सोच अनुकरणीय है। एचईसी के पुनर्जीवन और रिवाइवल के प्रति भी उन्होंने गंभीरता दिखाई। एशिया प्रसिद्ध एचईसी कारखाना को उनके नेतृत्व में ही रिवाइवल पैकेज मिला। अपने प्रधानमंत्रित्व काल में झारखंड के विकास के लिए वे सदैव तत्पर रहा करते थे। मनरेगा जैसी जनहित में बनाई गई कल्याणकारी योजना को लॉन्च करने के लिए उन्होंने झारखंड को ही चयनित किया था। भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत करने की दिशा में डॉ.सिंह द्वारा उठाए गए ऐतिहासिक कदम यादगार रहेंगे। श्री सहाय ने उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व ने भारत को एक नई आर्थिक दिशा दी। देश में उनके द्वारा लाई गई आर्थिक क्रांति और प्रगतिशील बदलावों के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम मंदिर का शुभ उद्घाटन 5 जनवरी को, तैयारियां जोरों पर

रांचीः श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की एक बैठक ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल की अध्यक्षता मे ट्रस्ट के प्रधान कार्यालय शिवगंज हरमू रोड मे संपन्न हुई।बैठक मे 5 जनवरी को अरगोड़ा पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम मंदिर का भाव शुभ उद्घाटन की तैयारीयों पर विस्तृत चर्चा की गई। एवं सदस्यों को विभिन्न कार्यों की जिम्मेवारी दी गई। बैठक में सर्वसम्मति से गुरु जी के परम शिष्य संजय सर्राफ को ट्रस्ट का मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया। श्री कृष्ण प्रणामी शिव धाम मंदिर का शुभ उद्घाटन 5 जनवरी को प्रातः 10 बजे ट्रस्ट के संस्थापक संत शिरोमणि श्री श्री 1008 स्वामी श्री सदानंद जी महाराज के कर कमलों द्वारा तथा प्रणामी समाज के संत महात्माओं की उपस्थिति मे होगा। साथ में 5 जनवरी से 8 जनवरी तक चार दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा, वाणी चर्चा एवं बीतक कथा, तथा परमहंस संत शिरोमणि डॉ स्वामी श्री सदानंद जी महाराज के द्वारा श्रीमद् भागवत कर कृष्ण अमृत कथा एवं परम पूज्य श्री श्री 108 श्री मोहन प्रियाचार्य जी महाराज के मुखारविंद से तारतम वाणी तथा अन्य संत महात्माओं के द्वारा दिव्य प्रवचन किया जाएगा।बैठक में ट्रस्ट उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, सचिव मनोज चौधरी, पूरणमल सर्राफ, सज्जन पाड़िया, विशाल जालान, विष्णु सोनी, संजय सर्राफ, सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

"जयपाल सिंह मुंडा खेल पुरस्कार 2024" के पोस्टर का विमोचन

रांचीः उम्मीद फाउंडेशन की ओर से झारखंड का सबसे बड़ा प्रतिष्ठित कार्यक्रम "जयपाल सिंह मुंडा खेल पुरस्कार 2024" का आयोजन पांच जनवरी को ऑड्रे हाउस किया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर शुक्रवार को मोरहाबादी स्थित निजी रेस्टोरेंट में पोस्टर का विमोचन किया गया। पोस्टर का विमोचन उम्मीद फाउंडेशन के संस्थापक रितेश उरांव, संस्थापक सचिव निरंजन भारती, केंद्रीय अध्यक्ष खेल प्रकोष्ठ प्रदीप मिर्धा, प्रदेश अध्यक्ष सोनू खलको, मुख्य संरक्षक शंकर दुबे, झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के शैलेंद्र दुबे, संगीता तिर्की केंद्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा आदि के हाथों किया गया। मौके पर रितेश उरांव ने बताया कि इस वर्ष जयपाल सिंह मुंडा खेल पुरस्कार के तहत 5 कैटेगरी में पुरस्कार दिए जाएंगे। इनमें जयपाल सिंह मुंडा खेल रत्न पुरस्कार, जयपाल सिंह मुंडा पुरस्कार, गुरु सिलवानुस डुंगडुंग पुरस्कार, गुरु द्रोणाचार्य पुरस्कार (जीवंत पर्यंत) और झारखंड खेल प्रोत्साहन पुरस्कार शामिल है। इन सभी केटेगरी में खिलाड़ियों, खेल प्रशिक्षकों, खेल को बढ़ावा देने वाले संस्थाओं आदि को पुरस्कृत किया जाएगा। खिलाड़ियों, खेल प्रशिक्षकों, खेल को बढ़ावा देने वाले संस्थाओं के चयन के लिए कमिटी का गठन किया गया है। कमिटी जल्द ही इस सभी को चयनित कर सूची सौंपगी । इस सभी लोगों के नामों की घोषणा जल्द किया जाएगा।

प्रदीप मिर्धा ने कहा कि उम्मीद फाउंडेशन कई वर्षों से खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करती आ रही है। इस कड़ी में हर साल हॉकी के जादूगर जयपाल सिंह मुंडा के जन्म तिथि पर खेल पुरस्कार का आयोजन करती है। इस वर्ष भी आयोजन को भव्य रूप देने का कार्य किया जा रहा है।

निरंजन भारती ने कहा कि यह एक ऐसा खेल पुरस्कार है, जिस पुरस्कार को लेकर के खिलाड़ियों को बेसब्री से इंतजार रहता है और वह भी इस पुरस्कार को पाने के लिए ललायित रहते हैं।

पोस्टर विमोचन में संगीता तिर्की केंद्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा, मुकेश भगत रचनात्मक निदेशक, सूरज टोप्पो संरक्षक, पंकज कुशवाहा सचिव, विक्की करमाली सचिव, अनिरुद्ध पांडे सलाहकार, स्मिता महासचिव महिला मोर्चा, केंद्रीय उपाध्यक्ष विनोद तिर्की, डॉ हेमलाल मेहता, डॉ तालकेश्वर मेहता, अनिल उरांव, पवन कुमार, अक्षय तिवारी, विशाल भारद्वाज, मुन्ना टोप्पो आदि मौजूद थे।

राजद के नेताओं ने डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर जताया शोक

रांचीः राष्ट्रीय जनता दल प्रदेश कार्यालय, रांची में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। इस अवसर पर पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके द्वारा देश की प्रगति में दिए गए अमूल्य योगदान को याद किया।

डॉ. मनमोहन सिंह जी के नेतृत्व में भारत ने आर्थिक और सामाजिक प्रगति के कई आयाम स्थापित किए। उनकी सादगी, दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता ने देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। राष्ट्रीय जनता दल उनके योगदान को सदैव याद रखेगा। साथ ही, आज झारखंड के वीर सपूत, परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद अल्बर्ट एक्का की जयंती के अवसर पर भी उन्हें नमन किया गया।

बालू माफियाओं की गुंडागर्दी को समाप्त कर कसे नकेल हो कारवाई

रांची : झारखंड में बालू माफियाओं की गुंडागर्दी को समाप्त कर कसे नकेल और एक भी अवैध बालू खनन होने पर जिला खनन पदाधिकारियों पर हो कारवाई l बालू का मालिकाना हक मिले ग्राम सभा को उपरोक्त बाते आज आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने कही l बालू माफियाओं का इन दिनों इतना मनोबल बढ़ता जा रहा है कि वे बालू का अवैध उत्खनन रोकने जा रहे अफसरों पर हमला करने के साथ-साथ बंधक बनाने से भी बाज नहीं आ रहे हैं । हाल के कुछ दिनों में राज्य के अलग-अलग जिलों में इस तरह की कई ऐसी घटनाएं घट चुकी है जो राज्य की विधि व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नही है । नायक ने आगे यह भी कहा कि कइ बार जहां अवैध बालू का उत्खनन रोकने गयी अफसरों की टीम पर बालू माफियाओं ने हमला कर दिया, तो कहीं उन्हें घंटों तक बंधक बनाये रखा जाना उनके बढ़ते मनोबल को दर्शाता है कि वे अब किसी से नही डरते । इन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि गोड्डा में हाल ही मे बालू माफियाओं ने सुंदरपहाड़ी थाना क्षेत्र के धमनी के निकट बालू घाट पर छापेमारी करने गये सीओ को बालू माफियाओं ने तीन घंटे तक बंधक बनाकर रखा जब सीओ को बंधक बनाने की जानकारी गोड्डा पुलिस को हुई तो पुलिस ने कार्रवाई कर सीओ को मुक्त कराया. इस बीच वहां बालू माफियाओं ने हंगामा करते हुए जब्त ट्रैक्टरों को छुड़ा लिया.यह घटना 16 दिसंबर को हुई है. इस मामले में सीओ प्रकाश बेसरा ने सुंदरपहाड़ी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है ।

सीएम के निर्देश पर रांची के परिक्षेत्रीय (जोनल) पुनर्विकास की पहल शुरू

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर राजधानी रांची के परिक्षेत्रीय पुनर्विकास की पहल शुरू हो गयी है। इस क्रम में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने शुक्रवार को रांची के प्रमुख मार्गों का भौतिक निरीक्षण किया। राज्य सरकार की पेयजल उपलब्धता की प्राथमिकता को देखते हुये प्रधान सचिव ने रूक्का में निर्माणाधीन जल शोधन संयंत्र का मुआयना भी किया। इसके अलावा राजधानी में सांस्कृतिक गतिविधियों को गति प्रदान करने के उद्देश्य से निर्माणाधीन रविंद्र भवन का निरीक्षण किया। रांची का जोनल पुनर्विकास के लिए सड़कों का सुंदरीकरण प्रधान सचिव सुनील कुमार ने जुडको द्वारा रांची के परिक्षेत्रीय विकास से संबंधित तैयार किये गये प्रस्तावों को बारीकी से देखा और रांची नगर निगम क्षेत्र के समेकित पुनर्विकास के लिए चिह्नित विभिन्न सड़कों और चौक चौराहों का भौतिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में प्रधान सचिव कचहरी चौक, चडरी मार्ग और नियोजन कार्यालय स्थित मार्ग के विकास से संबंधित संभावनाओं को देखा। वर्तमान में उन मार्गों की वस्तुस्थिति को देखने के बाद उन्होंने कई आवश्यक दिशा निर्देश जुडको के अभियंताओं को दिया। श्री कुमार ने अभियंताओं से कहा कि यह सभी मार्ग राजधानी की हृदयस्थली में स्थित हैं। इनकी स्थिति में संयुक्त गुणात्मक सुधार की जरूरत है।

राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव में हो रही जमकर खरीदारी

रांचीः झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, उद्योग विभाग की ओर से आयोजित राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव 2024-25 के आठवें दिन लगभग 14,000 लोगों ने मेले में शिरकत की। झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के द्वारा महोत्सव परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री डी मनमोहन सिंह के निधन को लेकर शोक सभा आयोजित की गई। जिसमें परिसर में उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर उनके आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की। इस अवधि में सभी झूले फुड कोर्ट, प्रवेश इत्यादि को दो मिनट तक स्थगित रखा गया। माननीय पूर्व प्रधानमंत्री आकस्मिक निधन पर सात दिवसीय राजकीय शोक घोषित किया गया है।

मार्च-अप्रैल तक नामकोम स्थित 300 बेड के अस्पताल प्रारंभ होगा

रांचीः कर्मचारी राज्य बीमा निगम, झारखण्ड के क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन एवं अन्य विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में शुक्रवार को चैंबर भवन में नियोक्ताओं की एक बैठक संपन्न हुई। क्षेत्रीय निदेशक ने कहा कि नियोक्ता हमारे मुख्य स्टेकहोल्डर्स हैं। चिकित्सकीय सुविधा में सुधार के लिए बीमा निगम द्वारा नियोक्ता और बीमितों के फीडबैक से सुधार के निरंतर प्रयास हो रहे हैं। नये वर्ष में मार्च-अप्रैल तक नामकोम स्थित 300 बेड के अस्पताल का संचालन प्रारंभ हो जायेगा। ईएसआइसी द्वारा इस वर्ष देश भर में 10 नये मेडिकल कॉलेज खोलने का प्रस्ताव दिया गया है जिसके तहत नामकोम में भी एक मेडिकल कॉलेज प्रस्तावित है। अगले सत्र से मेडिकल कॉलेज भी शुरू होगा। मेडिकल कॉलेज के संचालन से चिकित्सकों की कमी दूर होगी और इससे चिकित्सकीय सेवा में भी बेहतर सुधार होगा।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने सभी नियोक्ताओं से इसका लाभ लेने की अपील की। श्रम उप समिति चेयरमेन प्रमोद सारस्वत ने निगम के पोर्टल में सुधार, ईएसआईसी अस्पताल से प्राइवेट अस्पताल में मरीज को रेफर करने में परेशानी, ईएसआईसी अस्पताल में चिकित्सकों की कमी, बीमा निगम की योजनाओं पर नियमित रूप से जागरूकता कार्यशाला का आयोजन करने को कहा।

नई दिल्ली में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को संजय सेठ ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली/रांचीः रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने शुक्रवार को नई दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर उनके आवास जाकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया। इस अवसर पर श्री सेठ ने कहा कि मनमोहन सिंह जी का निधन संपूर्ण भारत की अपूरणीय क्षति है। मनमोहन सिंह जी इस देश में ऐसे व्यक्तित्व के रूप में जाने जाएंगे, जिन्होंने अर्थव्यवस्था की सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। देश के सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में डॉ. मनमोहन सिंह जी का नाम सदैव याद किया जाएगा। एक सामान्य परिवार से उठकर एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री तक की उनकी यात्रा प्रेरणादाई है। उन्होंने वित्त मंत्री सहित विभिन्न सरकारी पदों पर कार्य किया और वर्षों तक हमारी आर्थिक नीति पर अपनी गहरी छाप छोड़ी। वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए।

डॉ मनमोहन सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित कर शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा- हमने सबसे बेहतर अर्थ शास्त्री खो दिया

देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को कांग्रेस नेताओं ने कर्नाटक के बेलगाम में श्रद्धा सुमन अर्पित की। इस मौके पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धा रमैया, उप मुख्यमंत्री वी के शिवकुमार सहित कैबिनेट के मंत्री शामिल हुए। पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में झारखंड की कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी शामिल हुईं। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि देश ने अब तक के सबसे बेहतर अर्थ शास्त्री को खो दिया है। आर्थिक मंदी के उस दौर में जब हर तरफ निराशा दिख रही है तब डॉ मनमोहन सिंह ने देश की अर्थ व्यवस्था को ना सिर्फ संभाला, बल्कि विकास की गति को निरंतर जारी रखा। सौम्य हृदय और मृदु भाषी डॉ मनमोहन सिंह को देश की जनता हमेशा एक सफल प्रधानमंत्री के तौर पर याद रखेगी। डॉ मनमोहन सिंह के व्यवहार कुशलता के धनी थे और विपक्ष के सदस्य भी उनके इस व्यवहार के सदा कायल रहे।

जिले में संचालित गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों के संबंध में बैठक

उपायुक्त रांची, मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देशानुसार झारखंड शिक्षा परियोजना रांची के कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला शिक्षा अधीक्षक रांची सह नोडल पदाधिकारी शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, श्री बादल राज के द्वारा जिले में संचालित गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों के संबंध में बैठक आयोजित कि गई।

इस बैठक में अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी एवं प्रभाग प्रभारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान जिला शिक्षा अधीक्षक के द्वारा रांची जिले में कुल 766 गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय संचालित हैं उसपर विचार किया गया एवं प्रभाग प्रभारी को निर्देश दिया गया की अगले दो दिनों के अंदर गैर मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को मान्यता से संबंधित ऑनलाइन आवेदन सरकार के वेबसाइट www.rte.jharkhand.gov.in पर, वैसे सभी गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय, जहाँ किसी भी स्तर पर वर्ग 1 से 8 की पढ़ाई होती है, को शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधान के अनुरूप अनिवार्य रूप से मान्यता प्राप्त किया जाना है। 15 जनवरी 2025 तक ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करना है। प्राप्त आवेदन को ऑनलाइन स्क्रुटनी जिला स्तर पर 20 जनवरी तक किया जाएगा। जिला स्तर ऑनलाइन स्क्रुटनी में सफल विद्यालय का 20 फरवरी 2025 तक फील्ड वेरिफिकेशन किया जाएगा । 20 फरवरी 2025 तक जिला प्रारंभिक शिक्षा समिति की बैठक आयोजित कर फील्ड वेरिफिकेशन में सफल विद्यालय को मान्यता प्रदान की जाएगी। असफल विद्यालय को उन्हें कारण सहित सूचित किया जाएगा ।

RIMS की बदहाली पर फूटा स्वास्थ्य मंत्री का गुस्सा, सुधार करने के दिए निर्देश

बसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स की हालत काफी बेहाल है। इसकी पुष्टि खुद राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने अस्पताल का निरीक्षण करने के बाद की है। बता दें कि निरीक्षण के दौरान मंत्री इरफान ने अस्पताल में कई बंद पड़े कमरे और खराब मशीनें पाईं। ऐसे में उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को फटकार लगाते हुए इन कमरों को खोलने और मशीनों का उपयोग करने का निर्देश दिया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने देखा कि अस्पताल में कई जगह फर्श टूटे हुए हैं और मरीजों के लिए पर्याप्त बेड भी नहीं उपलब्ध हैं। इस पर मंत्री इरफान अंसारी ने गहरी नाराजगी जतायी।

रिम्स में सुधार करने के लिए उठाए जाएंगे कई कदमबता दें कि इस दौरान इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा रिम्स में सुधार करने के लिए कई कदम उठाने का आदेश दिया गया है। इसके अंतर्गत पुराने उपकरणों को बदला जाएगा, इमरजेंसी में बेड की संख्या बढ़ाई जाएगी ।

झारखंड राज्य के सहिया को जनवरी से बढ़ा हुआ मानदेय का भुगतान किया जाएगा

तिसरा। झारखंड राज्य के सहिया को जनवरी महीने से बढ़ा हुआ मानदेय का भुगतान किया जाएगा उक्त बातें निरसा के विधायक अरूप चटर्जी ने अभियान निर्देशक अब्बू इमरान से वार्ता के बाद सहिया को बताएं। बताते हैं कि विधायक अरुप चटर्जी के नेतृत्व में राज्य के सहिया, सहिया साथी एवं प्रशिक्षक के नेतृत्व में कई सालों से आंदोलन कर रहे थे पिछले वर्ष रांची में लगातार तीन दिनों तक धरना प्रदर्शन हुआ अंत में सरकार ने सहिया के मानदेय बढ़ाने का निर्णय लिया निर्णय के बाद भी अभी तक उसका भुगतान नहीं मिला। जिले के सहिया, सहिया साथी एवं प्रशिक्षक संघ लगातार विधायक जी से मानदेय दिलाने का मांग कर रहे थे जिसके परिणाम स्वरूप विधायक ने दूरभाष पर एमडी से बात की और एमडी ने जनवरी माह से आश्वासन दिया इसके अलावा सहिया, सहिया साथी एवं बी टी टी का भी भुगतान कराया जाएगा। विधायक अरूप चटर्जी एवं बगोदर के पूर्व विधायक विनोद सिंह को सभी लोगों ने धन्यवाद दिया कहा कि दोनों का प्रयास रंग लाया आगे भी हम लोग इनके नेतृत्व में लड़ेंगे सभी ने दोनों लोगों को धन्यवाद दिया। धन्यवाद देने वालों में रेखा भट्ट,सुनीता देवी, ममता कुमारी दास, मधुमति सिंह, रूपा सिंह, ममता मंजरी, कविता देवी, कर्मी देवी, रशीदा, राखी महतो रुक्मणी, बबीता देवी ,किरण देवी, दिनमय घोष संगीता तुरी कविता कुमारी नयनतारा शीला चटर्जी आदि लोग शामिल है। इधर विधायक अरूप चटर्जी ने बताया कि पिछले दिनों नया सहिया साथी का जो एग्जाम हुआ उसमें कोई सहिया साथी पास नहीं हुई इसलिए एमडी ने दोबारा 31 दिसंबर के बाद उनको परीक्षा लेने की बात कही है।

सुभाष चौक पर सांसद ढुल्लु महतो का पुतला दहन किया

धनबाद । गोविंदपुर स्थित सुभाष चौक पर सांसद ढुल्लु महतो का पुतला दहन किया गया और सभी ने एक स्वर में कहा कि ढुल्लु तेरी तानाशाही नहीं चलेगी बांग्ला समाज का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान शहीद कॉमरेड गुरुदास चटर्जी अमर रहें जिसकी अध्यक्षता माले नेता जयजीत मुख़र्जी ने की मुख्य रूप से कांग्रेस के गुलाम मुन्तका, सचिन दत्ता, माधव रुज, पंकज कुमार, शान्तिमय बिस्टू,अभिजीत बिस्टू,नफीस मंसूरी,प्रथम दत्ता,अमित धीबर, तापस धीबर, रोनी आदि उपस्थित थे।।

डाटा वेलिडेशन को लेकर बैठक आयोजित

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनबाद में शुक्रवार को एमओआईसी धनबाद डॉ. अनीता चौधरी की अध्यक्षता में डाटा वेलिडेशन को लेकर बैठक आयोजित की गई। इसमें डाटा करेक्शन, स्वास्थ्य के सभी प्रमुख इंडिकेटर्स और हेल्थ सब-सेंटर की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने, डाटा और इंडिकेटर मॉनिटरिंग के लिए ठोस रणनीति बनाने, स्वास्थ्य उप-केंद्रों की सेवाओं को मजबूत करने सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में जिला डाटा मैनेजर, जिला प्रोग्राम मैनेजर, पीएसआई इंडिया के जिला प्रतिनिधि, प्रखंड प्रोग्राम मैनेजर, प्रखंड डाटा मैनेजर, सभी विभागों के प्रभारी, सीएचसी के चिकित्सा पदाधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बीपीएल कोटा में सिलेक्शन होने के बाद भी नामांकन नहीं करने की शिकायत

सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद ने शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की शिकायतें प्राप्त की। इसमें लाहबनी धैया से आए एक व्यक्ति ने बताया कि उनके पुत्र का बीपीएल कोटा में सिलेक्शन हो चुका है। चार-पांच महीने गुजर जाने के बाद भी विद्यालय द्वारा पुत्र का नामांकन नहीं किया जा रहा है। वहीं पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले से आयी बुजुर्ग महिला ने बताया कि बाघमारा अंचल में उनकी रैयती जमीन है। जिस पर कुछ दबंगों द्वारा अवैध रूप से जबरन कब्जा किया जा रहा है। बैंक मोड़ से आए एक व्यक्ति ने सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा को बताया कि सबलपुर मौजा में उनकी पैतृक जमीन है। जिस पर वहां के एक दबंग व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से दखल कर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। जनता दरबार में झरिया से आए व्यक्ति ने कहा कि वार्ड 46 गोलकडीह में हर घर नल जल योजना के तहत पेयजलापूर्ति सुनिश्चित करनी थी। लेकिन अब तक किसी भी घर में पानी की सप्लाई नहीं हो रही है। इसके अलावा जनता दरबार में पड़ोसी द्वारा जबरन घर को नुकसान पहुंचाने, दाखिल खारिज नहीं होने, पेयजलापूर्ति नियमित करने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए।

कुख्यात अपराधी प्रिंस खान के छह गुर्गे हथियार–गोला के साथ चढ़ें पुलिस के हत्थे, कबूली क्राइम की दस्ता

ब्यूरो, धनबाद। पुलिस ने एक बार फिर प्रिंस खान पर शिकंजा कसते हुए कुख्यात अपराधी प्रिंस खान के छह शूटरों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। शूटरों के पास से भारी मात्रा में हथियार, गोली और अन्य सामान भी बरामद किए गए हैं। धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हृदीप पी जनार्दन ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि 26 दिसंबर को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रिंस खान गिरोह के कुछ अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। इसके बाद जिले की नाकाबंदी कर चेकिंग शुरू कर विभिन्न जगहों से अपराधियों को पकड़ा गया।

गिरफ्तार अपराधियों के ये हैं नाम : गिरफ्तार अपराधियों में कतरास निवासी गणेश कुमार (28), कतरास निवासी राजेश बधावन उर्फ बब्लू (27), कतरास निवासी अजय कुमार सिंह (35), मधुबन निवासी करण सिंह राजपूत (21), निचितपुर निवासी बिट्टू उर्फ सागर मल्लाह (20) और पलामू निवासी देव उर्फ भीम उर्फ प्रियेश कुमार सिंह उर्फ राहुल (25) शामिल हैं। वही इनके पास से एक स्विफ्ट कार, एक पल्सर बाइक, तीन पिस्तौल, 16 जिंदा कारतूस और विभिन्न कंपनियों के सात मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

कैसे किसकी हुई गिरफ्तारी : एसएसपी ने बताया कि चेकिंग अभियान के दौरान केंदुआडीह थाना के तहत शिमलाबहाल ब्रिज के समीप स्विफ्ट कार पर सवार राजेश कुमार बधावन, अजय कुमार सिंह और सागर कुमार मल्लाह उर्फ बिट्टू को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही कतरास थाना क्षेत्र के निचितपुर रेलवे साडिंग के पास से गणेश गुप्ता एवं करण सिंह को मोटरसाइकिल से भागते वक्त पीछा कर के गिरफ्तार किया। इनके पास से भी पुलिस को हथियार मिले। वहीं अन्य सूचना पर इनके एक अन्य साथी प्रियेश कुमार सिंह को धनबाद बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया गया है। एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों ने पूछताछ के क्रम में खुद को प्रिंस खान गिरोह का सदस्य बताते हुए बीते दिनों बरवाअड्डा स्थित कुर्मीडीह निवासी सीमेंट व्यपारी चेतन महतो पर गोलीबारी करने, बीते दो दिसंबर को तेतुलमारी थाना अंतर्गत रेलवे साइडिंग पर फायरिंग करने तथा 19 दिसम्बर को प्रिंस खान के इशारे पर बलियापुर मार्शलिंग यार्ड कर्मी को गोली मारने की बात स्वीकार किया है। एसएसपी ने बताया कि गिरफ्त में आए गणेश गुप्ता जो हाल ही में 26 सितंबर को जेल से जमानत पर छूटा था।

हजारीबाग एसडीओ की पत्नी ने खुद को लगाई आग, मॉर्निंग वॉक पर जाने को लेकर हुआ था विवाद

हजारीबाग के एसडीओ अशोक कुमार की पत्नी अनिता कुमारी (37) ने गुरुवार की सुबह करीब 7:30 बजे सरकारी आवास में आग लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। अनिता कुमारी करीब 70% जल गई हैं। उनकी हालात गंभीर है। उन्हें बचाने गए एसडीओ के दोनों हाथ जल गए हैं। दोनों का इलाज बोकारो जनरल अस्पताल के बर्न यूनिट में चला। इसके बाद उन्हें रांची रेफर कर दिया गया। एसडीओ अशोक कुमार ने बताया कि आवास में रंग-रोगन का काम चल रहा है। पत्नी को मॉर्निंग वॉक पर जाने से मना करने पर विवाद हुआ। दोनों में बहस हुई। अचानक उसने आवास परिसर में रखे पेंट के तेल को छिड़कर आग लगा ली। मैंने आग बुझाने का प्रयास किया। उसे तुरंत आरोग्यम हॉस्पिटल ले गया। अनिता की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे वहां से बेहतर इलाज के लिए बोकारो भेजा गया। एसडीओ अशोक कुमार और अनिता कुमारी के शादी 2011 में हुई थी। एसडीओ व पत्नी में कई दिनों से चल रहा विवाद एसडीओ अशोक कुमार और अनिता कुमारी के शादी 2011 में हुई थी। पिछले कई दिनों से दोनों में विवाद चल रहा है। दंपती का एक बेटा (9) और एक बेटी (5) है। अनिता का मायका चतरा के पिंडारपुन गांव में है। मायके से भी रिश्तेदार अस्पताल पहुंच गए हैं। हालांकि, इस मामले में लिखित शिकायत स्थानीय थाना में नहीं की गई है।

नई दिल्ली। दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री स्व डॉ मनमोहन सिंह जी को श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन।

दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का नंदु भुमि सपोर्टिंग क्लब तुलिन बना चैंपियन

सिल्ली: सिल्ली प्रखंड के लोटा स्कूल मैदान में शहीद निर्मल महतो जयंती के अवसर पर मिलन फुटबॉल क्लब लोटा की ओर से दो दिवसीय डबल खस्सी फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल गुरुवार को नन्दु भुमि सपोर्टिंग एफसी तुलीन व जीएफसी हेरलाबेड़ा बाह्मणी गोड़ाडीह के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमों की ओर से कइ बेहतर मुव बनाए गए लेकिन गोल में परिवर्तित नहीं कर पाए। पेनाल्टी शूट आउट में जीएफसी हेरलाबेड़ा को 4-2 से हराकर नन्दु भुमि स्पोर्टिंग फुटबॉल क्लब प्रतियोगिता का चैंपियन बना। प्रतियोगिता मुख्य अतिथि सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो ने संबोधित करते हुए कहा कि फुटबॉल हमारे देश में लोकप्रिय खेलों में से एक है, जो शहरी क्षेत्र के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्र में भी खेली जाती है।अगर उचित प्लेटफॉर्म मिले तो ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ी भी क्षेत्र व देश का नाम रोशन कर सकते हैं। विजेता एवं उप विजेता टीम को विधायक अमित कुमार महतो, जिप सदस्य लक्ष्मी कुमारी, झामुमो के वरिय नेता अमित मुंडा उर्फ गाडाम, अखिल महतो आदि ने ट्रॉफी व खस्सी देकर सम्मानित किया। वहीं परमानंद महतो , गोकुल चंद्र महतो , अखिल महतो, दशरथ महतो, कार्तिक चन्द्र महतो , फलारी महतो, रविन्द्र नाथ मुंडा, डॉ विवेक समेत अन्य अतिथियों ने प्रतियोगिता के बेहतर खिलाड़ी एवं सेमीफाइनल के उप विजेता टीमों को नगद राशि देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में बेस्ट गोल गोलकीपर बेस्ट गोलकीपर हेरलाबेड़ा एफसी के मनोज महतो, बेस्ट खिलाड़ी नंदु भुमि तुलिन के लंबु महत को एवं मेन आफ द टूर्नामेंट बेस्ट का पुरुस्कार तुलिन के अपु महतो को दिया गया। प्रतियोगिता में आसपास के 16 टीमें हिस्सा लिया।

टाटा झारसुगुड़ा मेमू ट्रेन से वृद्ध का शव बरामद

मुरी –मुरी रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नं एक पर शुक्रवार को 08195 टाटा से झारसुगुड़ा चलने वाली मेमू पसेंजर ट्रेन के बोगी में सीट के नीचे से वृद्ध आदमी का शव बरामद किया गया। ट्रेन में सफर कर रहे यात्री द्वारा इसकी सुचना मुरी रेलवे पुलिस को दिया गया।साथ ही रेलवे डीएमओ डॉ जे कच्छप को दिया गया। डॉ द्वारा जांच के बाद मृत घोषित कर दिया । अनुमान के मुताबिक इसकी मृत्यु ठंड लगने के कारण हुई थी। रेल पुलिस ने शव को मुरी में उतार कर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक शव का पहचान नहीं हो पाया था।

सिल्ली प्रखंड हिन्दू परिषद की बैठक सम्पन्न, कुंभ मेला में शामिल होने को लेकर हुई चर्चा

सिल्लीः सिल्ली धर्मशाला में बुधवार को सिल्ली प्रखंड विश्व हिंदू परिषद धर्म प्रसार की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें झारखंड प्रांत के विश्व हिंदू परिषद के झारखंड प्रांत के सह धर्म प्रचारक सचिदानंद जी व रांची जिला ग्रामीण प्रमुख शिवलाल महतो विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में सनातन धर्म की मजबूती एवं प्रयागराज में आयोजित कुंभ मेला 2025 में शामिल होने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। शिवलाल महतो ने कुंभ मेला में जाने को लेकर इच्छुक श्रद्धालुओं को 5 जनवरी से पुर्व मंडल व जिला समिति को सूचित करने का आग्रह किया। वहीं उन्होंने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद की ओर से प्रयागराज में श्रृद्धालुओं के लिए निशुल्क भोजन व आवास का प्रबंध किया गया है। बैठक मे सजल सोनी व बाणेश्वर महतो का नाम सर्व सम्मति से जिला कमिटी के लिए चयन किया गया। इस मौके पर सिल्ली प्रखंड के प्रमुख कांचन सोनार, संस्कारशाला के प्राचार्य करुणा पाण्डेय, अनीता देवी, पुनम देवी, नैना देवी, देविबाला देवी, मातृशक्ति प्रमुख सबिता पोद्दार, पंचायत प्रभारी मंत्री कृष्ण सागर दुबे, साधु चरण महतो, सुरेंद्र प्रसाद कोइरी, श्याम सुंदर महतो, महादेव बड़ाईक, भारत महतो, रामरतन महतो, जोगेन्दर महतो आदि उपस्थित थे।

जेएमएम नेता लाडले खान ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर दुख जताया

झारखंड मुक्ति मोर्चा के युवा नेता लाडले खान ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर दुख जताया हैं, लाडले खान ने कहा कि राजनीति में बहुत कम लोगों को वो सम्मान मिलता है जो सरदार मनमोहन सिंह जी को मिला. उनकी ईमानदारी हमेशा हमारे लिए प्रेरणा बनी रहेगी. वो उन लोगों में हमेशा ऊंचा स्थान रखेंगे जो इस देश से सच्चा प्रेम करते हैं. उन्होंने विरोधियों द्वारा अनुचित और व्यक्तिगत हमलों का सामना करते हुए भी देश की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखा." "वो वास्तव में समानता में विश्वास करने वाले, विद्वान, दृढ़ इच्छाशक्ति वाले और साहसी व्यक्ति थे, राजनीति की कठिन दुनिया में एक अनोखे गरिमामय और सौम्य व्यक्तित्व के धनी थे. जेएमएम नेता लाडले खान ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि 'मनमोहन सिंह जी ने बेहद बुद्धिमानी और निष्ठा के साथ भारत का नेतृत्व किया. उनकी विनम्रता और अर्थशास्त्र की गहरी समझ ने पूरे देश को प्रेरित किया. श्रीमति कौर और उनके परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना. मैंने एक गुरु और मार्गदर्शक खो दिया है. हममें से लाखों लोग उनके प्रशंसक थे. हम पूरे गर्व के साथ उन्हें याद करेंगे.''

सोढ़ में 5 जनवरी को जिला स्तरीय फिजिक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025 आयोजित

रजरप्पा चितरपुर के मारगमरचा स्थित सोढ़ में आगामी 5 जनवरी को जिला स्तरीय फिजिक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025 आयोजित की गई है. आयोजित बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप फौजी फिटनेस जिम के तत्वावधान में बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप मिस्टर रामगढ़ सीनियर एवं मेंस फिजिक मिस्टर रामगढ़ एन्ड जूनियर (21 अंडर) आयोजित की जा रही है। यह जानकारी ऑर्गनेजर ज्वाला सिंह ने दी है.

रघुवर दास की सक्रिय राजनीति में वापसी, स्वागत योग्य : डॉक्टर बिरसा उरांव

ओरमांझीः उड़ीसा के राज्यपाल रघुवर दास से इस्तीफा दिलाकर सक्रिय राजनीति में लाने का केंद्रीय नेतृत्व के कदम का भाजपा के प्रवक्ता डॉक्टर बिरसा उरांव ने स्वागत किया है। श्री उरांव ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के निर्णय का स्वागत किया किया है। बिरसा उरांव ने कहा कि रघुवर दास ने अभी सिर्फ इस्तीफा दिया है, केन्द्रीय नेतृत्व अभी कोई तय नहीं किया है कि उन्हें केंद्र या राज्य की जिम्मेवारी देगी। उन्होंने कहा कि रघुवर दास के सक्रिय राजनीति में वापसी से राष्ट्रीय परिपेक्ष में राष्ट्रीय स्तर पर राजनीति में सभी समुदाय पर इसका असर देखने को मिलेगा। उरांव ने कहा कि झारखंड में ही नहीं बल्कि पूरे देश में भाजपा पार्टी के प्रति सहानुभूति व सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और इसका लाभ भाजपा को निश्चित रूप से मिलेगा।

"एक समर्पित राष्ट्र भक्त थे डॉ मनमोहन सिंह" : पुन्नू राम नायक

रजरप्पा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह (उम्र 92) के आकस्मिक निधन पर छोटकी लारी निवासी सेवानिवृत्त प्राचार्य पुन्नू राम नायक ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि साइकिल से शिखर तक का सफर तय कर उन्होंने महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन के यह कथन सच कर दिखाया कि जिंदगी साइकिल चलाने के जैसे है। संतुलन बनाए रखने के लिए आपको चलते रहना होता है। एक साधारण किसान परिवार में पैदा हुए डॉ. मनमोहन सिंह स्ट्रीट लाइट में पढ़ा करते तथा साइकिल से ही विश्वविद्यालय जाया करते थे। सच्ची लगन और कड़ी मेहनत से अपनी शिक्षा पूरी कर पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ में अर्थशास्त्र के प्रवक्ता व रीडर से सचिव और सलाहकार एवं देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुंचे। वे एक समर्पित राष्ट्र भक्त थे। उनके आकस्मिक निधन से देश के आर्थिक व राजनैतिक क्षेत्र की अपूर्णीय क्षति हुई है।

खेल और खिलाड़ियों के विकास के लिए मंत्री योगेंद्र प्रसाद हमेशा सहयोग करते आ रहे हैं : बबीता देवी

रजरप्पा शुक्रवार को पेयजल एवं स्वच्छता सह उत्पाद एवं मद्द निषेध विभाग, मंत्री योगेंद्र प्रसाद की धर्मपत्नी सह पूर्व गोमिया विधायक बबीता देवी महुआटाड थाना क्षेत्र के सिमराबेड़ा (कंडेर) के झरना टोला पहुंची। इस दौरान एसवीटी फुटबॉल क्लब द्वारा आयोजित पांच दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का बतौर मुख्य अतिथि फीता काटकर एवं फुटबॉल को किक मारकर उदघाटन किया। साथ ही दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और मैच के लिए शुभकामनाएं दीं। मौके पर पूर्व विधायक ने कहा कि फुटबॉल खेल का क्रेज सभी जगह देखा जाता है लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में इस खेल का रोमांच देखने लायक होता है। इस खेल और खिलाड़ियों के विकास के लिए मंत्री श्री प्रसाद हमेशा सहयोग करते आ रहे हैं। मंत्री जी और अपनी ओर से आयोजक को टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं भी दीं। इससे पूर्व श्रीमती का बुके देकर स्वागत किया। मौके पर नागेश्वर चौधरी, पूर्व मुखिया सुगापति मरांडी, दिनेश राम मांझी सहित आयोजक क्लब के सभी सक्रिय सदस्य, दर्जनों झामुमो कार्यकर्ता एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

अमित मुंडा विधायक से मुलाक़ात कर दी जीत की

रामगढ़ बोरोबिंग पंचायत निवासी अमित मुंडा सर्किट हाउस रामगढ़ में नवनिर्वाचित विधायक ममता देवी से मुलाकात कर जीत की बधाई दी और आने वाले नववर्ष की शुभकामनाएँ दी। साथ ही विधायक से जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर चर्चा हुई. इस बावत विधायक ने योजनाओं को जल्द ही धरातल पर उतारने की बात कहीं.

चीन के वैज्ञानिक अब किस खतरे से खेल रहे हैं, भारत को रहना चाहिए सतर्क

अभी कोरोना वायरस से खतरा थोड़ा कम ही हुआ ही था कि पड़ोसी देश चीन की ओर से एक घातक एक्सपेरिमेंट करने की खबर आ रही है। एक स्टडी में यह दावा किया गया है कि चीन के वैज्ञानिक एक जानलेवा वायरस के साथ प्रयोग कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह वायरस कोराना की ही तरह जानलेवा है।

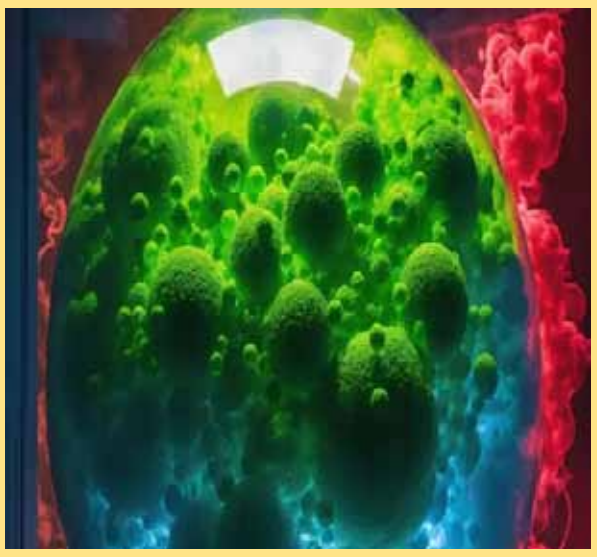

नई दिल्ली: भारत सहित दुनिया के कुछ देशों में कोराना ने चेहरा बदलकर नए वैरिएंट JN.1 के रूप में एंट्री ली है। लोगों में फिर से इस खतरनाक वायरस के नए स्वरूप के आने के बाद डर बैठ गया है। दूसरी ओर चीन फिर कुछ ऐसा कर रहा है जिससे एक्सपर्ट भी परेशान हैं। उन्होंने चीन के इस एक्सपेरिमेंट को पागलपन करार दिया है। दरअसल, एक स्टडी में यह दावा किया जा रहा है कि चीन के वैज्ञानिक एक जानलेवा वायरस के साथ प्रयोग कर रहे हैं, जो चूहों में 100% घातक साबित हुआ है। इस खतरनाक वायरस का नाम GX_P2V है और वैज्ञानिकों ने इसे bioRxiv नामक रिसर्च साइट पर प्रकाशित अध्ययन में बताया है। यह वायरस चूहों के दिमाग पर हमला करता है, जिनकी जेनेटिक बनावट को इंसानों के दिमाग से मिलती-जुलती बनाया गया था। ड्रैगन के इस घातक कदम से भारत में चिंता बढ़ गई है। चिंता बढ़ने का एक और कारण यह भी है कि 2019 के दिसंबर में चीन में सबसे पहले कोरोना वायरस पाया गया था, जिसके बाद 2020 मार्च में इसने खतरनाक रूप अख्तियार कर लिया था। 2020-21 में भारत ने जो इस महामारी के दौरान झेला, उससे अबतक नहीं उबर पाया है। ऐसे में चीन से आ रहे एक और खतरे ने टेंशन बढ़ा दी है।

स्टडी में क्या पाया गया?

रिसर्चर्स ने पाया कि वायरस से संक्रमित होने के पांच दिनों के भीतर चूहों का वजन काफी कम हो गया, वो सुस्त हो गए और उनकी आंखें सफेद हो गईं। अध्ययन में आगे बताया गया है कि संक्रमित होने के सिर्फ आठ दिनों के बाद ही उनकी मृत्यु हो गई। वैज्ञानिक इस तेजी से हुई मौत से आश्चर्यचकित हैं। यह खबर चिंताजनक है क्योंकि GX_P2V वायरस कोरोनावायरस से मिलता-जुलता है और इसके फैलने का खतरा है। कई विशेषज्ञों ने इस अध्ययन के बाद चिंता जताई है और कहा है कि चीन के इस पागलपन को रोकना ही होगा। वैज्ञानिकों ने स्टडी में बताया कि अध्ययन इस बात की ओर इशारा करता है कि GX_P2V वायरस इंसानों में भी फैल सकता है। उन्होंने आगे बताया कि इस नए वायरस से हमें SARS-CoV-2 जैसे वायरसों के काम करने का तरीका समझने में भी मदद मिल सकती है। वैज्ञानिकों ने निष्कर्ष निकाला कि चूहों के शरीरों का परीक्षण करने के बाद, उन्होंने पाया कि वायरस ने फेफड़ों, हड्डियों, आंखों, श्वासनली और दिमाग पर हमला किया था। दिमाग का संक्रमण इतना गंभीर था कि इसी वजह से जानवरों की मृत्यु हो गई। स्टडी के मुताबिक, यह वायरस सार्स-सीओवी-2 जैसा है और इसे 2017 में कोविड के फैलने से पहले पैंगोलिन में पाया गया था।

चीन के इस प्रयोग को एक्सपर्ट ने बताया बेतुका

अध्ययन करने वाली टीम ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि यह अपने तरह का पहला अध्ययन है जो कोरोनावायरस से जुड़े वायरस से संक्रमित चूहों में 100% मृत्यु दर दिखा रहा है। ये नतीजे एक और अध्ययन से मिले आंकड़ों से भी ज्यादा गंभीर हैं। हालांकि, अध्ययन के नतीजों से ये साफ नहीं होता कि ये वायरस इंसानों को कैसे प्रभावित करेगा। अध्ययन ऑनलाइन आते ही, विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज के जेनेटिक्स इंस्टीट्यूट के एक महामारी विशेषज्ञ, फ्रांस्वा बॉलोक्स ने इस शोध को भयानक और वैज्ञानिक रूप से पूरी तरह से बेतुका बताया है। उन्होंने एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि मुझे समझ नहीं आता कि इंसानों की तरह बनाए गए चूहों को अचानक वायरस से संक्रमित करके क्या सीखा जा सकता है। इससे ज्यादा, मुझे डर है कि ऐसी चीजें गलत भी हो सकती हैं। 2024 के इस अध्ययन का चीन के वुहान वायरोलॉजी संस्थान से कोई सम्बन्ध नहीं दिखता, जो महामारी को लेकर लैब लिक थ्योरी के केंद्र में था।

अजवाइन है सबसे सस्ता फैट बर्नर 5 जबरदस्त फायदे

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं या कब्ज की समस्या से परेशान हैं, तो आपके लिए अजवाइन का सेवन फायदेमंद है। इसमें कई ऐसे गुण होते हैं, जो आपकी कई शारीरिक समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। क्या आप काफी समय से वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं और नहीं कर पा रहे हैं या पेट की समस्या से परेशान है, तो ऐसी कई समस्याओं का उपाय, आपके किचन में रखा यह एक मसाला कर सकता है। हम बात कर हैं अजवाइन की, यह एक सबसे सस्ता और फायदेमंद मसाला होने के साथ एक अच्छा फैट बर्नर भी है। अजवाइन का इस्तेमाल भारतीय रसोई में काफी सालों से किया जा रहा है। इसके सेवन से आप आसानी से वजन कर सकते हैं । यह कई स्वास्थ्य संबंधित फायदे भी देती है, जैसे कि पेट दर्द, गैस और पेट के कई रोगों को भी यह दूर करने में मदद करती है। जिन लोगों को गठिया है, उसके उपचार में भी यह काफी लाभदायक साबित हो सकता है। इसका उपयोग हर्बल औषधि में किया जाता है।

वेट लॉस में मदद करता है

अजवाइन में थाइमोल नामक एक तत्व होता है, जो आपके मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है। जब आपका मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, तो नया फैट बन नहीं पता है और पुराना फैट आसानी से बर्न होता है, तो अजवाइन का सेवन इस तरह से वजन कम करने में मदद कर सकता है।

दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है

अजवाइन में फाइबर, विटामिन ए और अन्य तरह के पोषण पाए जाते हैं, जो दिल के स्वास्थ्य को सुधार सकती हैं। इस पर हुए शोध में पता चला है कि इसमें एंटीऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल से लड़ने में काफी सहायक होती है।

दर्द निवारक है

पेट के दर्द में अजवाइन काफी काम आती है, क्योंकि इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो दर्द को कम करने में मदद करते हैं।दर्द के अलावा यह सूजन को भी कर सकती है। अजवाइन में थाइमोल नामक तत्व होता है, जो एंटी-इन्फ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल

इसमें मौजूद पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में मदद कर सकता है। हाई पोटैशियम डाइट से उच्च ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

पाचन स्वास्थ्य के लिए

अजवाइन पाचन को सुधारने में मदद कर सकता है। अगर आपको गैस, एसिडिटी, और कब्ज की समस्या बनी रहती है, तो आपको इसका रोजाना सेवन जरूरी करना चाहिए।

100 साल तक दिमाग को जवान रख सकती हैं ये चीजें, तेजी देखकर हट्टा-कट्टा आदमी भी शर्मा जाए

शरीर जवान रहे या नहीं, मगर दिमाग हमेशा यंग रहना चाहिए। अधिकतर काम इसी के ऊपर टिके होते हैं। ब्रेन पावर बढ़ाने के लिए 5 चीजें जरूर खानी चाहिए। इससे याददाश्त और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।

बुढ़ापा एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जो होनी ही है। मगर इसका मतलब यह कतई नहीं कि आपका दिमाग भी बूढ़ा ही हो। पुराने समय में बड़े-बुजुर्गों का दिमाग इतना तेज होता था कि आज का हट्टा-कट्टा आदमी भी उसका मुकाबला ना कर पाए। इसके पीछे सारा खेल स्वस्थ खानपान का है, जिसे आजकल नजरअंदाज किया जा रहा है।

दिमाग बूढ़ा होने के लक्षण: दिमाग का बुढ़ापा आने के लिए उम्र ज्यादा होना जरूरी नहीं है। कुछ को जवानी में ही इसके लक्षण झेलने पड़ जाते हैं और कुछ 100 साल की उम्र में भी जवान मस्तिष्क लेकर घूमते हैं। चीजें रखकर भूल जाना, कुछ नया सीखने में परेशानी होना, किसी का नाम भूल जाना, रोजमर्रा के काम करने में दिक्कत होना आदि दिमागी बुढ़ापे की निशानी है।

अखरोट दिमाग की जवानी के लिए अखरोट खाना बढ़िया उपाय है। आप सुबह सवेरे दो भीगे हुए अखरोट खाकर दिन की शुरुआत करें। इससे ओमेगा-3 गुड फैट्स मिलता है, NCBI के अध्ययन के मुताबिक (ref.) ब्रेन सेल्स को हेल्दी रखता है। इसकी वजह से दिमाग के सिग्नल काफी तेजी से अंगों तक पहुंचते हैं।

डार्क चॉकलेट अगर मीठा खाने से कोई स्वास्थ्य लाभ मिलता हो तो इससे ज्यादा खुशी देने वाली कौन सी बात हो सकती है। डार्क चॉकलेट में फ्लेवेनोइड्स का खजाना होता है, जिनमें न्यूरोप्रोटेक्टिव पावर पाई गई है। यह उम्र बढ़ने के बावजूद याददाश्त को कम नहीं होने देते।

ब्रेन की शार्पनेस के लिए जरूरी फूड 5 फूड जो दिमाग शार्प करने में करते हैं मदद,आज ही डाइट में करें शामिल

पालक इस हरी पत्तेदार सब्जी के अंदर फोलेट होता है, जो न्यूरोट्रांसमीटर के सिंथेसिस में मदद करता है। इनका काम याददाश्त, सीखने की क्षमता, नींद और मूड को बूस्ट करने का होता है। पालक ब्रेन हेल्थ के लिए और भी ज्यादा फायदेमंद है, यह दिमाग में थक्का बनाने वाले अमिनो एसिड को तोड़ने का काम भी करता है।

नेचुरल ब्रेन टॉनिक है ये तेल मस्तिष्क को विटामिन ई की आवश्यकता होती है, यह एक एंटीऑक्सीडेंट है। फ्री रेडिकल को मारने में इससे मदद मिलती है वरना ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ने लगता है। इस तरह का तनाव डिमेंशिया समेत कई सारी बीमारियों का कारण बन जाता है।

केफिर दूध को केफिर से फर्मेंट करके इस ड्रिंक को बनाया जाता है। यह दिमाग को तेज करने के लिए काफी बढ़िया है। यह पदार्थ पेट के हेल्दी माइक्रोब्स को सुधारता है, जिसका असर दिमागी स्वास्थ्य पर दिखता है। इससे आपका कॉग्निटिव फंक्शन बढ़ता है और बुढ़ापे में भी दिमागी ताकत सही रहती है।

न जिम-न डाइटिंग, सिर्फ 1 चुटकी हल्दी से अंदर धंसेगी लटकती तोंद

अगर आप सोच रहे हैं कि हल्दी का उपयोग सिर्फ खाने का स्वाद और रंग बढ़ाने तक सीमित है, तो आप गलत हैं। यह एक ऐसा मसाला है, जो पेट की जिद्दी चर्बी को खत्म करने की ताकत रखता है, बस आपको इस्तेमाल करना आना चाहिए।

वजन कम करने के लिए लोग कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। लेकिन सर्दियों के दिनों में वजन कम करना बहुत मुश्किल होता है। लगातार बैठे रहने से पेट की चर्बी तो निकल जाती ही है लेकिन पेट के साथ-साथ जांघें और कमर भी मोटी दिखने लगती है। बहुत से लोग कमर और पेट के आकार को कम करने के लिए जिम जाकर घंटों एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं।

वजन कम करने के लिए क्या करें? पेट और कमर की चर्बी कम करने और सुडौल शरीर पाने के लिए आप किचन में रखे मसालों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर बात करें मसालों की तो इनमें हल्दी एक ऐसा जादुई मसाला है, जो पेट की चर्बी को काटने का काम करता है। खाने को स्वाद और रंग देने वाले इस मसाले को आप वजन कम करने वाले हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कि आप वजन घटाने के लिए हल्दी का उपयोग कैसे कर सकते हैं।

पेट की चर्बी का नामोनिशान मिटा सकती है हल्दी

NCBI पर प्रकाशित एक अध्ययन (Ref) के अनुसार, हल्दी वजन घटाने के लिए फायदेमंद है। पशु अध्ययनों से पता चला है कि हल्दी में एक शक्तिशाली यौगिक करक्यूमिन होता है, जो फैट बर्न करने का काम करता है। वजन कम करने में असमर्थ 44 लोगों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला कि दिन में दो बार 800 मिलीग्राम करक्यूमिन लेने से उनका बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) कम हो गया। इसके अलावा कमर और कूल्हे की चर्बी भी कम हुई।

हल्दी के गुण

कच्ची हल्दी में एंटीबैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-फंगल गुण होते हैं। इसमें विटामिन सी, पोटैशियम, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, थायमिन, राइबोफ्लेविन होता है। ये पोषक तत्व शरीर को शारीरिक समस्याओं से बचाते हैं।

वजन घटाने के लिए हल्दी वाला पानी कैसे तैयार करें?

मोटापा कम करने के लिए आप कच्ची हल्दी को गर्म पानी में उबालकर पी सकते हैं। इस मिश्रण का खाली पेट सेवन करने से आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिल सकती है। इसके लिए 2 गिलास पानी में कच्ची हल्दी के टुकड़े डालकर उबाल लें

जब एक गिलास पानी बचे तो आंच बंद कर दें और पानी को छानकर एक गिलास में निकाल लें

सुबह खाली पेट सबसे पहले इसका सेवन करें। अगर आप हल्दी वाला पानी नहीं पीना चाहते तो आप हल्दी वाले दूध का सेवन कर सकते हैं हल्दी के साथ मिलाकर खाएं काली मिर्च, नहीं पड़ेगी डॉक्टर की जरूरत

मोबाइल फोन से हार्ट अटैक, कैंसर का खतरा:कम नींद बड़ी वजह, जानिए, उम्र के हिसाब से आपको कितना सोना चाहिए

आज की भागदौड़ वाली व्यस्त जिंदगी में युवाओं की एक बड़ी समस्या है नींद की कमी। उनकी नींद का प्राइम टाइम तो मोबाइल फोन और दूसरे गैजेट्स में खप रहा है। सोने से पहले एक बार नोटिफिकेशंस देखने को फोन उठाया तो कब रील्स स्क्रॉल करते-करते 2 से 3 घंटे बीत जाते हैं पता ही नहीं चलता है।

स्लीप फाउंडेशन की एक स्टडी बताती है कि अगर आप सोने से ठीक पहले तक मोबाइल फोन या दूसरे गैजेट्स इस्तेमाल कर रहे हैं तो इसका असर आपकी नींद पर पड़ रहा है। कई बार आप आंख बंद किए घंटों लेटे रह जाते हैं, पर नींद का कोई अता पता नहीं। कभी आप सो तो रहे हैं, पर वह गहराई नहीं होती, जो मिलनी चाहिए। इसका सीधा कनेक्शन आपके मोबाइल फोन और लैपटॉप से है। रात में जल रही घर की लाइट भी जिम्मेदार है।

कैसे मोबाइल फोन और लैपटॉप से निकली ब्लू लाइट आपकी नींद खराब कर रही है। इसका शरीर और दिमाग पर क्या असर होता है। क्या करके हम इस मुश्किल से खुद को बचा सकते हैं। जानेंगे आज के सेहतनामा में।

मोबाइल फोन और लैपटॉप से निकलने वाली लाइट हमारी नींद में खलल बन रही है। इसकी मौजूदगी में हमारा शरीर मेलाटॉनिन रिलीज नहीं कर पाता, जिसकी मौजूदगी हमें नींद का अहसास कराती है।

क्या है मेलाटॉनिन, क्यों है इतना जरूरी?

मेलाटॉनिन हमारे शरीर में बनने वाला एक हार्मोन है। यह हमारे सोने और जगने के साइकल को रेगुलेट करता है। अंधेरा होने पर हमारा शरीर ज्यादा मेलोटॉनिन बनाता है, जो हमारे शरीर को सोने के लिए कहता है। रोशनी हमारे शरीर में मेलाटॉनिन का प्रोडक्शन रोक देती है या कम कर देती है। यह हमें जगे रहने को कहता है। अगर मेलाटॉनिन बनने की प्रक्रिया पर अधिक असर पड़ता है तो डिप्रेशन, क्रॉनिक पेन और अल्जाइमर की समस्या हो सकती है मेलाटॉनिन लैब में भी तैयार किया जाता है। इसे सुपरविजन में डिप्रेशन और अल्जाइमर में दिया जाता है।

कम नींद लेने से बढ़ रहा अल्जाइमर

जो लोग कम नींद लेते हैं, उनके भीतर गुस्सा और चिड़चिड़ापन अधिक देखने को मिलता है। उनका स्वभाव काफी हद तक आक्रामक हो जाता है। यहां तक कि यह अल्जाइमर जैसे घातक रोग की वजह भी बन रहा है, जो दिमाग को नकारा बना देता है।

डायबिटीज की समस्या हो सकती है

अच्छी नींद नहीं लेने से ज्यादा शुगर लेने का दिल करता है। जंक फूड खाने का मन करता है। इससे हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अच्छी नींद नहीं लेने से हड्डियां कमजोर होना शुरू हो जाती हैं। असल में हड्डियों में मौजूद मिनरल्स का बैलेंस बिगड़ जाता है। जिससे जोड़ों के दर्द की समस्या पैदा हो जाती है।

बढ़ रहे हार्ट अटैक के मामले

नींद के दौरान हमारे शरीर के भीतर के अंगों की सफाई और मरम्मत हो रही होती है। नींद नहीं पूरी होने से शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स बाहर नहीं निकल पाते हैं। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ जाता है। डॉ. अवधेश शर्मा कहते हैं कि सिर्फ सोना भी कई बार काफी नहीं होता है, जरूरी है कि हम डीप स्लीप लें।

कैंसर का भी डर

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की एक स्टडी में सामने आया है कि नींद नहीं पूरी होने से शरीर की कोशिकाओं को काफी नुकसान होता है। इसके चलते कैंसर हो सकता है। इनमें सबसे अधिक है ब्रेस्ट कैंसर का खतरा।

नींद नहीं पूरे होने का असर तुरंत दिखने लगता है। यह चोट लगने जैसा है, जो तुरंत रिफलेक्ट होता है। इसका सीधा असर हमारे मन पर पड़ता है। आप दिन भर चिड़चिड़े रहते हैं, ठीक से फोकस के साथ काम नहीं कर पाते, गुस्सा ज्यादा आता है, अधिक घबराहट होती है। यहां तक कि आपका खुद पर नियंत्रण कम होने लगता है। लगातार कम और खराब नींद का असर आपकी सेक्शुअल हेल्थ पर भी पड़ता है। महिलाओं में महिलाओं में माहवारी से जुड़ी परेशानी बढ़ जाती है। इसलिए रोज अच्छी, गहरी और पूरी नींद लेना जरूरी है। अच्छी सेहत का राज है अच्छी नींद। हम सोते समय अचेतन अवस्था (Unconscious) में होते हैं, अपने आसपास की दुनिया से बिलकुल बेखबर। इस दौरान हमारे शरीर और दिमाग की खामियों की मरम्मत होती है। बैक्टीरिया और वायरल संक्रमण से लड़ने की ताकत बढ़ जाती है। दिमाग में नई ऊर्जा और नए विचार जन्म लेते हैं। तभी डॉक्टर बीमार शख्स को पहली सलाह आराम की ही देते हैं।

ऐसे आएगी अच्छी नींद

नींद की कमी को दूर करने के कई उपाय हैं। सबसे पहले तो आपको अपनी दिनचर्या ही बदलनी होगी। सोने-जागने का ठीक समय तय करना होगा। आइए इन्हें कुछ पॉइंट्स में समझते हैं-

इलेक्ट्रिक गैजेट्स पर अधिक समय बिता रहे हैं, तो उसे कम कर दें। रोजाना सुबह-शाम टहलने निकलिए, यार-दोस्तों से बातचीत करिए। हल्की-फुल्की यानी मॉडरेट एक्सरसाइज कर सकें, तो बेहतर होगा। सबसे जरूरी बात यह है कि नशे और कैफीनयुक्त पदार्थों से दूर रहें। कम से कम सोने से दो घंटे पहले इनका सेवन बिलकुल भी न करें। रात में बेड पर जाने से 2 घंटे पहले मोबाइल और दूसरे गैजेट्स दूर रख दें।

93,252 करोड़ स्वाहा... 10 साल में पहली बार अनचाहा रेकॉर्ड बनाने को ओर मुकेश अंबानी की रिलायंस

देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में इस साल करीब 5 फीसदी गिरावट आई है। कंपनी का शेयर 10 साल में पहली बार निगेटिव रिटर्न की ओर बढ़ रहा है। इस साल इसका मार्केट कैप 93,000 करोड़ रुपये से अधिक गिरा है।

नई दिल्ली: रिलायंस इंडस्ट्रीज समेत कई दिग्गज कंपनियों के निवेशकों के लिए यह साल निराशाजनक रहा। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज 10 साल में पहली बार निगेटिव रिटर्न ओर बढ़ रही है। इस साल बीएसई 500 में शामिल कम से कम 27 कंपनियों के मार्केट कैप में एक अरब डॉलर यानी करीब 8,500 करोड़ रुपये से अधिक गिरावट आई है। इनमें रिलायंस के अलावा एशियन पेंट्स, एचयूएल, टाइटन, बजाज फाइनेंस, अडानी ग्रीन एनर्जी और डीमार्ट शामिल हैं। वैल्यू के हिसाब से एशियन पेंट्स को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। परसेंटेज के हिसाब से सबसे ज्यादा नुकसान में जी एंटरटेनमेंट रही। इसके शेयरों में इस साल 54% गिरावट आई है।

इस कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा मार्केट कैप गिरावट एशियन पेंट्स में रही। देश की सबसे बड़ी डेकोरेटिव पेंट्स कंपनी के शेयरों में इस दौरान अब तक लगभग 33% की गिरावट आई है। उसका मार्केट कैप में 1.07 लाख करोड़ रुपये गिरा है। कंपनी कमजोर मांग और मार्जिन दबाव से जूझ रही है। साथ ही उसे JSW तथा बिड़ला ग्रुप से भी तीव्र प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।

रिलायंस का नुकसान भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज 10 साल में पहली बार निगेटिव रिटर्न की ओर बढ़ रही है। रिलायंस के शेयरों में इस साल 5 फीसदी से अधिक गिरावट आई है। कंपनी का मार्केट कैप 93,000 करोड़ रुपये से अधिक घटकर लगभग 16.5 लाख करोड़ रुपये रह गया है। हालांकि मार्केट कैप के हिसाब से यह अब भी भारत की सबसे बड़ी कंपनी बनी हुई है।

अडानी ग्रीन एनर्जी (89,648 करोड़ रुपये), एचयूएल (76,843 करोड़ रुपये), इंडसइंड बैंक (51,475 करोड़ रुपये) और अडानी एंटरप्राइजेज (50,951 करोड़ रुपये) मार्केट कैप के लिहाज से सबसे बड़े नुकसान में शामिल हैं। इसके अलावा नेस्ले इंडिया, कोटक महिंद्रा बैंक, बर्जर पेंट्स, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, एलटीआईमाइंडट्री, जी एंटरटेनमेंट, बंधन बैंक, टाटा एलेक्सी, टाटा कंज्यूमर और टाटा टेक्नोलॉजीज के मार्केट कैप में एक अरब डॉलर से ज्यादा गिरावट आई है।

आउट ऑफ स्टॉक... धड़ाधड़ बिक गए मनमोहन सिंह के साइन वाले नोट, 1 की कीमत 300 रुपये

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात 92 की उम्र में निधन हो गया। वह देश के अकेले प्रधानमंत्री थे जिनके हस्ताक्षर देश के नोटों पर थे। मनमोहन वित्त सचिव, आरबीआई गवर्नर और वित्त मंत्री भी रहे। 1 रुपये के नोट पर वित्त सचिव के हस्ताक्षर होते थे।

नई दिल्ली: पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात 92 की उम्र में निधन हो गया। वह वित्त सचिव, आरबीआई गवर्नर और वित्त मंत्री भी रहे थे। इस तरह वे देश के अकेले प्रधानमंत्री थे जिनके हस्ताक्षर देश के नोटों पर थे। उन्हें 1976 में वित्त सचिव बनाया गया था। एक रुपये के नोट पर वित्त सचिव के हस्ताक्षर होते थे। मनमोहन 16 सितंबर 1982 से 14 जनवरी 1985 तक आरबीआई के गवर्नर रहे। एक रुपये के छोड़कर बाकी सभी करेंसी नोट पर आरबीआई गवर्नर के साइन होते हैं। मनमोहन सिंह के निधन की खबर आते ही लोग धड़ाधड़ उनके साइन वाले नोट खरीदने गए।

*एंटीक और कलेक्टिबल्स बेचने वाले ऑनलाइन मार्केटप्लेस BidCurios पर मनमोहन सिंह के साइन वाला 100 रुपये का नोट आउट ऑफ स्टॉक हो गया। सुबह यह नोट 300 रुपये में मिल रहा था। इसी तरह उनके हस्ताक्षर वाला एक रुपये का नोट 300 रुपये में मिल रहा है। लेकिन दिक्कत यह है कि स्टॉक में केवल एक ही नोट है। यह 1978 का नोट है जिसमें बतौर वित्त सचिव मनमोहन सिंह के हस्ताक्षर हैं। उनके साइन किए गए 16 नोटों का सेट 12,500 रुपये में मिल रहा है लेकिन यह भी केवल एक ही स्टॉक में है। इसमें एक रुपये के पांच नोट, दो रुपये के तीन नोट, पांच रुपये के दो नोट, दस रुपये के तीन नोट और 20, 50 और 100 रुपये के एक-एक नोट हैं। इसके लिए आपको फाइनेंस मिनिस्टर नहीं बनाया गया है...नरसिम्हा राव ने मनमोहन सिंह से क्यों कहा था? **इकॉनमी के डॉक्टर** मनमोहन सिंह को ऐसे समय में वित्त मंत्री की कमान मिली थी जब देश की इकॉनमी बहुत नाजुक दौर से गुजर रही थी। देश का सोना विदेशों में गिरवी रखा जा चुका था और आयात के भुगतान के लिए केवल दो सप्ताह लायक विदेशी भंडार बचा था। ऐसे में मनमोहन सिंह ने जुलाई 1991 में एक ऐसा ऐतिहासिक बजट पेश किया जिसने भारतीय इकॉनमी की दिशा और दशा को हमेशा के लिए बदल दिया। आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकॉनमी है और जल्दी ही तीसरे नंबर पर पहुंच सकती है।*

इसके लिए आपको फाइनेंस मिनिस्टर नहीं बनाया गया है...नरसिम्हा राव ने मनमोहन सिंह से क्यों कहा था?

देश में आर्थिक सुधारों का सूत्रधार पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन हो गया है। वह 92 साल के थे। मनमोहन को 1991 में पेश किए गए उनके ऐतिहासिक बजट के लिए याद किया जाता है जिसने की इकॉनमी की दशा और दिशा को हमेशा के लिए बदलकर रख दिया था।

नई दिल्ली: देश में आर्थिक सुधारों का सूत्रपात करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन हो गया है। वह 92 साल के थे और उन्होंने गुरुवार रात एम्स में अंतिम सांस ली। देश को गंभीर आर्थिक संकट से निकालने में मनमोहन सिंह ने अहम भूमिका निभाई थी। मनमोहन सिंह ने 24 जुलाई 1991 को ऐसा बजट पेश किया था जिसने हमेशा के लिए देश की दिशा और दशा को बदल दिया था। लेकिन वित्त मंत्री के पद के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव की पहली पसंद मनमोहन सिंह नहीं थे। वह मशहूर अर्थशास्त्री आईजी पटेल को फाइनेंस मिनिस्टर बनाना चाहते थे। लेकिन उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से राव की पेशकश को अस्वीकार कर दिया। इसके बाद राव को मनमोहन सिंह का नाम सुझाया गया जो आरबीआई के गवर्नर, योजना आयोग के प्रमुख और मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके थे।

देश में आर्थिक सुधारों का श्रेय प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव और वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की जोड़ी को दिया जाता है। डॉ. सिंह ने 24 जुलाई 1991 को ऐतिहासिक बजट को पेश करते हुए फ्रांसीसी विद्वान विक्टर ह्यूगो को उद्धृत करते हुए कहा था कि दुनिया की कोई ताकत उस विचार को नहीं रोक सकती जिसका समय आ गया हो। उससे पहले भारत की क्लोज इकॉनमी में सरकार ही सब कुछ तय करती थी। किस सामान का उत्पादन कितना होगा, उसे बनाने में कितने लोग काम करेंगे और उसकी कीमत क्या होगी, सब सरकार तय करती है। इस सिस्टम को लाइसेंस परमिट राज कहा जाता था।

ऐतिहासिक बजट लेकिन 24 जुलाई, 1991 के बजट ने लाइसेंस परमिट राज से देश को मुक्ति दिला दी। देश में खुली अर्थव्यवस्था का रास्ता साफ हुआ। इसमें प्राइवेट कंपनियों को कई तरह की छूट और प्रोत्साहन दिए गए। सरकारी निवेश कम करने और खुले बाजार को बढ़ावा देने का फैसला किया गया। इस बजट ने देश की तस्वीर बदलकर रख दी। कंपनियां फलने-फूलने लगीं और करोड़ों नई नौकरियां मार्केट में आईं। आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकॉनमी बनकर उभरा है। अमेरिका समेत दुनिया के कई देश जहां मंदी की आशंका में जी रहे हैं, वहीं भारत की इकॉनमी तेजी से आगे बढ़ रही है। साल 1991 में प्रधानमंत्री बनने से दो दिन पहले नरसिंह राव को कैबिनेट सचिव नरेश चंद्रा ने एक नोट दिया था जिसमें बताया गया था कि भारत की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। देश के पास एक महीने के आयात के लिए भी पैसे नहीं बचे थे। ऐसे में उन्हें वित्त मंत्री के रूप में एक ऐसे शख्स की तलाश थी जो देश को इस स्थिति से उबार सकता था। तब पीसी अलेक्जेंडर ने उन्हें रिजर्व बैंक के गवर्नर रह चुके और लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स के डायरेक्टर आईजी पटेल का नाम सुझाया। लेकिन आईजी पटेल दिल्ली आना नहीं चाहते थे क्योंकि उनकी मां बीमार थीं।

नेहरू की नीतियों को पलटा

इसके बाद अलेक्जेंडर ने ही मनमोहन सिंह का नाम सुझाया। अलेक्जेंडर ने शपथ ग्रहण समारोह से एक दिन पहले मनमोहन सिंह को फोन किया। वह कुछ ही घंटे पहले विदेश से लौटे थे और उस समय सो रहे थे। जब मनमोहन सिंह को इस प्रस्ताव के बारे में बताया गया तो उन्होंने इस पर विश्वास नहीं किया। उनका कहना था कि अधिकारी इस तरह की बातें करते रहते हैं। अगले दिन शपथ ग्रहण समारोह से तीन घंटे पहले मनमोहन सिंह के पास यूजीसी के ऑफिस में नरसिम्हा राव का फोन आया। उन्होंने कहा कि मैं आपको अपना वित्त मंत्री बनाना चाहता हूं।

शपथ ग्रहण समारोह से पहले नरसिम्हा राव ने मनमोहन सिंह से कहा था कि अगर हम सफल हुए तो इसका श्रेय हम दोनों को मिलेगा लेकिन असफलता का ठीकरा आपके सिर पर फूटेगा। साल 1991 के ऐतिहासिक बजट से दो हफ्ते पहले जब मनमोहन सिंह बजट का मसौदा लेकर नरसिम्हा राव के पास गए तो उन्होंने उसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए आपको फाइनेंस मिनिस्टर नहीं बनाया गया है। मनमोहन सिंह ने अपने बजट भाषण में जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का कई बार नाम लिया लेकिन उनकी आर्थिक नीतियों को एक झटके में पलट दिया।

किसान का बेटा, खड़ा कर दिया बड़ा साम्राज्य, रियल एस्टेट से लेकर बहुत कुछ...

आम लोगों में यही धारणा होती है कि कारोबारी या उद्योगपति बनते नहीं बल्कि पैदा होते हैं। कहने का मतलब यही है कि उद्योगपति या कारोबारी परिवार में पैदा हुए व्यक्ति ही सफल कारोबारी बन सकते हैं। लेकिन मन में यदि लगन हो तो किसान परिवार में पैदा हुआ व्यक्ति भी सफल एंट्रेपेन्योर (Entrepreneur) बन सकता है। जी हां, कर्नाटक में उडुपी जिले के छोटे से गांव कारंगरापाडी में पैदा हुए डा. के. प्रकाश शेट्टी ने ऐसा की कुछ कर दिखाया है।

कर्नाटक में उडुपी जिले के कोरांगरापाडी गांव में 21 जुलाई 1959 को पैदा हुए डा. के. प्रकाश शेट्टी (Dr. K Prakash Shetty) ने सफलता का एक कीर्तिमान स्थापित किया है। उनके पिता गांव में एक सामान्य किसान थे। वह गांव में खेती-बाड़ी करते थे। लेकिन प्रकाश शेट्टी ने कारोबार करने को ठानी। उन्होंने कुछ साल तक संघर्ष किया और अंततः अपना एक अलग मुकाम बनाया। आज की तारीख में उनके ग्रुप का कारोबार करीब 400 करोड़ रुपये का है। वह करीब 4,000 लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार देते हैं। आज की सक्सेस स्टोरी श्रृंखला में हम जानते हैं इन्हीं के बारे में। **गांव में जन्म, बेंगलुरु में नौकरी** प्रकाश शेट्टी का जन्म उडुपी जिले के एक गांव कोरंगरापाडी (Korangrapadi) में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही हुई। बाद में वह उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अपने जिला मुख्यालय उडुपी आ गए। वहां के पूर्णा पंजा कॉलेज (Poorna Prajna College) से बीबीएम (BBM) किया। फिर बेंगलुरु में नौकरी करने लगे। लेकिन उनका मन तो कारोबार पर टिका था, इसलिए नौकरी छोड़ दी। फिर 50 हजार रुपये का लोन लिया और एक प्रिंटिंग प्रेस लगाया। यहां से उनकी कारोबारी यात्रा की शुरूआत हो गई।

बनाया एमआरजी ग्रुप इस बीच उनकी शादी आशा शेट्टी से हो गई। शादी हुई तो फिर एक बेटा गौरव का भी जन्म हो गया। घर-गृहस्थी में फंसने के बाद भी उन्होंने कारोबारी बनने का सपना नहीं छोड़ा था। इसलिए तो उन्होंने कारोबारी यात्रा की शुरुआत में ही उन्होंने एमआरजी ग्रुप (MRG Group) की स्थापना की। एमआरजी में पहला अक्षर एम (M) उनके पिता माधव के नाम से लिया गया। इसके बाद का अक्षर आर (R) उनकी मां रत्ना के नाम से लिया गया है। एमआरजी का अंतिम अक्षर जी (G) उनके पुत्र गौरव से लिया गया है। इस तरह से जन्म हुआ एमआरजी ग्रुप का।

आतिथ्य और खानपान सेक्टर में आए प्रिंटिंग प्रेस में ज्यादा मन नहीं लगा तो वह आतिथ्य एवं खानपान क्षेत्र (Tourism & Hospitality Sector) में आ गए। साल 1993 में उन्होंने फाइन-डाइन रेस्टोरेंट बंजारा (Banjara) की स्थापना की। इसके अच्छे परिणाम आए तो उत्साह बढ़ा। इसके बाद उन्हें होटल ब्रांड गोल्डफिंच (Goldfinch) स्थापित करने का विचार भी सूझा। होटल गोल्डफिंच की शुरुआत मंगलोर से हुई फिर बेंगलुरु, गोवा, मुंबई और दिल्ली एनसीआर में सूरजकुंड तक इसकी पहुंच गई। **नेशनल गेम्स ने नए मुकाम पर पहुंचाया** जब उन्होंने बंजारा रेस्टोरेंट की शुरुआत की तो उनका नाम लक्जरी हॉस्पिटेलिटी में तेजी से फैलने लगा। इसी बीच साल 1997 में चौथे नेशनल गेम्स का आयोजन कर्नाटक में हुआ।

रेलवे ट्रैक बिछाएंगी प्राइवेट कंपनियां, पट्टे पर दी जाएगी रेलवे स्टेशनों के आसपास की जमीन

रेलवे ने पीपीपी मॉडल की शुरुआत की थी लेकिन इसमें ज्यादा प्रगति नहीं हुई। अब रेलवे बड़े प्रोजेक्ट्स में निजी कंपनियों को साथ लाने की तैयारी कर रहा है। पीपीपी मॉडल के तरह ट्रैक बिछाने का काम हो सकता है। साथ ही स्टेशनों के आसपास की जमीन पट्टे पर दी जाएगी।

नई दिल्ली: रेलवे में पटरियां बिछाने के काम प्राइवेट कंपनियों को सौंपा जा सकता है। अधिकारियों के मुताबिक भारतीय रेलवे नई परियोजनाओं के विकास के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल अपनाने की योजना बना रहा है। इसी वजह यह है कि रेलवे बड़े प्रोजेक्ट्स की कॉस्ट साझा करना चाहता है। एक अधिकारी ने कहा कि रेलवे आने वाले महीनों में पीपीपी मोड पर मिनरल कॉरिडोर जैसी नई कमर्शियल लाइनों सहित प्रमुख परियोजनाओं का निर्माण करने का प्रस्ताव कर रहा है। सरकार में यह सोच बढ़ रही है कि रेलवे में निजी निवेश को आकर्षित करने से संसाधनों की बचत होगी। इस राशि को सामाजिक क्षेत्रों और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास पर लगाया जा सकता है।

रेलवे की रणनीति में यह बदलाव हाल में हुई एक इन्फ्रास्ट्रक्चर रिव्यू मीटिंग के बाद आया है। इस मीटिंग में कई मंत्रालयों ने हिस्सा लिया था। इसमें यह संकेत दिया गया था कि रेलवे को केवल इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण मोड पर निर्भर रहने के बजाय बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए पीपीपी पर भी विचार करने की जरूरत है। इस फाइनेंशियल ईयर में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए 2.62 लाख करोड़ रुपये मिले हैं जिससे रेलवे को बड़ा बूस्ट मिलने की उम्मीद है। **प्रमुख कॉरिडोर कार्यक्रम** हालांकि पीपीपी मोड से प्रोजेक्ट के विकास में रेलवे ने ज्यादा प्रगति नहीं की है। रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए खुद की फंड जुटाता है। वह मालगाड़ियां चलाता है और माल ढुलाई पर शुल्क लगाकर अपने निवेश की रिकवरी करता है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि नई कमर्शियल लाइनें पीपीपी पर विकसित की जाएंगी। किराये और यात्रियों की आवाजाही से संबंधित संवेदनशील फैसला पूरी तरह से रेलवे बोर्ड के पास रहेंगे। रेलवे अभी एनर्जी (मुख्य रूप से कोयला), मिनरल्स और सीमेंट की आवाजाही से जुड़े तीन प्रमुख इकॉनमिक कॉरिडोर प्रोग्राम चला रहा है। इनका उद्देश्य पोर्ट कनेक्टिविटी में सुधार करना और रेल लाइनों पर भीड़भाड़ को कम करना है। प्लान्ड एनर्जी, माइनिंग और सीमेंट रेल कॉरिडोर की लागत साल 2031 तक 5.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। सागरमाला कार्यक्रम के तहत 1 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली लगभग 114 पोर्ट-रेल कनेक्टिविटी परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इनमें से 26,385 करोड़ रुपये की कुल 49 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और मार्च 2024 तक 65 परियोजनाएं पूरी होने के विभिन्न चरणों में हैं। IRCTC का ऐप और वेबसाइट फिर हुई डाउन, टिकट बुक नहीं कर पा रहे हैं यूजर्स, रेलवे पर फूटा गुस्सा

पट्टे पर जमीन बजट 2024-25 में नई लाइनों, गेज परिवर्तन और दोहरीकरण के लिए 68,634.44 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 73,734.57 करोड़ रुपये से कम है। पीपीपी कॉरिडोर को मेरी-गो-राउंड (MGR) नेटवर्क पर तैयार किए जाने की उम्मीद है। इसका इस्तेमाल पहले से ही कोयले की खदान से भारतीय रेलवे नेटवर्क जैसे समर्पित शॉर्ट हॉल माल ढुलाई के लिए किया जाता है। इस मॉडल के तहत, रेल पटरियों को उन कंपनियों द्वारा फंड किया जाता है जो इसका फायदा उठाना चाहते हैं। रेलवे ऑपरेशन है और लोकोमोटिव, वैगन, ब्रेक-वैन और अन्य रोलिंग स्टॉक प्रदान करता है। रेलवे की कमाई प्रतिदिन लोड किए गए रेक की संख्या और तय की गई दूरी से जुड़ी होती है। रेलवे ट्रैक के अलावा रिडेवलप किए गए रेलवे स्टेशनों से सटी खाली जमीन को भी पट्टे पर दिया जाएगा। इन पहलों से होटल और दुकान जैसी यात्री सुविधाओं में सुधार होने की उम्मीद है।

आज Adani Ports और Sagility समेत इन शेयरों में हो सकता है फायदा, दिखाई दे रही तेजी

शेयर मार्केट का गुरुवार को मिला-जुला रुख रहा। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लगभग फ्लैट बंद हुए। सेंसेक्स में जहां 0.39 अंक की मामूली गिरावट आई तो वहीं निफ्टी में 22.55 अंक की मामूली बढ़त दिखाई दी। आज कुछ शेयर निवेशकों को फायदा दिला सकते हैं, क्योंकि इनमें तेजी के संकेत हैं।

नई दिल्ली: स्थानीय शेयर बाजार में गुरुवार को कारोबार सीमित दायरे में रहा। सेंसेक्स और निफ्टी फ्लैट बंद हुए। हालांकि विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी गुरुवार को भी जारी रही। गुरुवार को सेंसेक्स में 0.39 अंक की मामूली गिरावट आई। इस गिरावट के साथ सेंसेक्स 78,472.48 अंक पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में यह 425.5 अंक चढ़ गया था। वहीं निफ्टी में गुरुवार मामूली तेजी दर्ज की गई। निफ्टी उतार-चढ़ाव के बीच 22.55 अंक की मामूली बढ़त के साथ 23,750.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के तीस शेयरों में टाइटन, एशियन पेंट्स, नेस्ले, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, जोमैटो, लार्सन एंड टुब्रो और बजाज फिनसर्व प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में अडानी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, सन फार्मा, भारती एयरटेल और टाटा मोटर्स शामिल हैं। वहीं 155 से ज्यादा स्टॉक अपने 52 हफ्ते के उच्चतम शिखर पर हैं। Piccadily Agro Industries और Sagility के शेयर उन शेयरों में शामिल हैं जिन्होंने अपना 52 हफ्ते का उच्च स्तर पार कर लिया है। यह इन शेयर में तेजी का संकेत देता है।

टोक्यो, जापानसनशाइन एक्वेरियम में एक गोताखोर अफ़्रीकी पेंगुइन के साथ तैरता है। फ़ोटोग्राफ़ः इस्सी काटो/रॉयटर्स

सोवियत संघ, ब्रिटेन, अमेरिकी सेना वाला हाल होगा... तालिबान ने पाकिस्तानी आर्मी चीफ को दी खुली धमकी, हामिद करजई भी लाल

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने पाकिस्तानी आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर को इशारों में चेतावनी दी है। मुत्ताकी ने कहा कि पाकिस्तानी सेना सोवियत संघ, ब्रिटेन और अमेरिकी सेना की हार से सीख ले। इससे पहले पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान पर हमला किया था।

काबुलः पाकिस्तानी एयर फोर्स के अफगानिस्तान के पाकटीका में भीषण हमले के दोनों के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। इस हमले में करीब 50 लोग मारे गए हैं। पाकिस्तान का दावा है कि ये टीटीपी के आतंकी थे, वहीं तालिबान का कहना है कि ये शरणार्थी थे जो पाकिस्तान के वजीरिस्तान इलाके से आए थे। पाकिस्तान की सरकार ने अभी आधिकारिक तौर पर इस हमले की पुष्टि नहीं की है। इस बीच चौतरफा दबाव के बाद अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने इशारों में पाकिस्तानी सेना प्रमुख को सोवियत संघ, ब्रिटेन और अमेरिकी नाटो सेना की अफगानिस्तान में करारी हार को याद दिलाया है। वहीं तालिबानी सेना भी पाकिस्तान पर पलटवार की तैयारी कर रही है और भारी हथियारों को सीमा पर भेजा है।

मुत्ताकी ने जहां पाकिस्तान के लोगों और राजनीतिक नेतृत्व को अफगानिस्तान का सहयोगी करार दिया, वहीं पाकिस्तानी सेना प्रमुख को इस पूरी अस्थिरता के लिए जिम्मेदार ठहराया। तालिबानी विदेश मंत्री ने कहा, 'अगर पाकिस्तान अफगानिस्तान से नफरत करता है तो उसे सोवियत संघ, ब्रिटेन, अमेरिकी सेना और नाटो के ऐतिहासिक हश्र को देखना चाहिए। हम पाकिस्तान के लोगों, वहां के सम्मानित राजनीतिक नेतृत्व का आह्वान करते हैं कि कुछ लोगों के कृत्यों की वजह से हमारे साझा भाईचारे या क्षेत्र की सुरक्षा को संकट में नहीं डालना चाहिए।'

यमन के आसमान में छाए इजरायली लड़ाकू विमान... इजरायल ने कैसा किया हूतियों पर सबसे बड़ा हमला, जानें अगला प्लान

इजरायल ने यमन में हूतियों के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा हमला बोला है। इजरायली वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने यमन की राजधानी सना और हुदैदाह समेत कई प्रमुख ठिकानों पर बम बरसाए हैं। सना और हुदैदाह में रहने वाले लोगों ने आसमान में दर्जनों लड़ाकू विमानों को उड़ते देखा।

सनाः इजरायल ने यमन के हूती विद्रोहियों पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया है। इजरायली सेना ने कहा है कि उसके लड़ाकू जेट ने गुरुवार को यमन के हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर बम बरसाए। इजरायली लड़ाकू विमानों ने राजधानी सना के एयरपोर्ट समेत पश्चिमी शहर हुदैदाह के बंदरगाह समेत अन्य ठिकानों को निशाना बनाया। हमला कितना बड़ा था, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसमें इजरायल के 100 से ज्यादा लड़ाकू विमान शामिल हुए थे। सना एयरपोर्ट का मेन रनवे, कंट्रोल टॉवर और एयरक्राफ्ट तबाह हो गए। **यमन पर और हमलों की तैयारी** यमन में अपने सबसे बड़े हमले को अंजाम देने के बाद इजरायली वायुसेना के प्रमुख मेजर जनरल तोमेर बार ने अधिकारियों से बात की। उन्होंने कहा कि 'यह हमारा यमन पर चौथा हमला था और अभी हमारा मिशन पूरा नहीं हुआ है। मैं उस रक्षात्मक प्रयास से शुरुआत करना चाहता हूं जिसमें हम पिछले कुछ समय से रात-रात भर लगे हुए हैं।'उन्होंने कहा कि हमने अभी अपनी क्षमता का ठोस प्रदर्शन देखा है और हम बहुत-बहुत अधिक क्षमता रखते हैं। **हूतियों को क्यों बनाया निशाना?** आईडीएफ ने पुष्टि की कि उन्होंने हूती सैन्य बुनियादी ढांचे, सना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, रास कनातिब बिजली स्टेशनों और पश्चिमी तट पर हुदैदाह, सलीफ और रास कनातिब बंदरगाहों को निशाना बनाया था। इन ठिकानों का इस्तेमाल ईरान से यमन में हथियारों की तस्करी के लिए किया जा रहा था। **सना के आसमान में इजरायली विमान** रिपोर्ट के मुताबिक दर्जनों इजरायली विमानों को सना और हुदैदाह के आसमान में देखा गया। इजरायली विमानों ने सना में सात और हुदैदाह में तीन हमले किए थे। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि ये हमला उस समय किया गया जब हूती नेता अब्दुल-मलिक अल-हूती पास में ही अपनी विजयी भाषण दे रहे थे।

'हूती सीखेंगे सबक' इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को एक भाषण में कहा था कि हूती भी वही सबक सीखेंगे, जो हमास, हिजबुल्ला, असद सरकार और अन्य लोगों ने सीखा है। उनकी सरकार ने कहा कि नेतन्याहू ने सैन्य नेताओं के साथ मिलकर ताजा हमलों पर नजर रखी। अमेरिकी सेना ने हाल के दिनों में यमन में हूती विद्रोहियों को भी निशाना बनाया है।

भारत के मोस्ट वांटेड आतंकी अब्दुल रहमान मक्की की पाकिस्तान में मौत, 26/11 के मुंबई हमले का था मास्टरमाइंड

इस्लामाबादः भारत के मोस्ट वांटेड आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की की मौत हो गई है। प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जमात-उद-दावा का उप प्रमुख मक्की पाकिस्तान में रह रहा था। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड मक्की की शुक्रवार को लाहौर में मौत हो गई। जमात-उद-दावा के अनुसार मक्की पिछले काफी दिनों से बीमार चल रहा था और लाहौर के एक निजी अस्पताल में उसका उसका इलाज चल रहा था। शुक्रवार सुबह मक्की को दिल का दौरा पड़ा और उसकी मौत हो गई। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार आतंकी अब्दुल रहमान मक्की को जनाजे की नमाज के बाद शुक्रवार को शाम को 5:15 बजे दफनाया जाएगा। अब्दुल रहमान मक्की आतंकी संगठन जमात-उद-दावा के प्रमुख हाफिज सईद का करीबी रिश्तेदार और समूह का डेप्युटी लीडर था। मुंबई पर आतंकी हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र ने मक्की के ऊपर प्रतिबंध लगाते हुए उस पर 20 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम रखा था। मक्की को घोषित किया था अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी साल 2023 में संयुक्त राष्ट्र ने मक्की को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किया था। इसके पहले साल 2020 में आतंकी फंडिंग मामले में पाकिस्तान की एंटी टेररिज्म कोर्ट ने मक्की को 6 महीने के लिए जेल में भेजा था। आतंकी फंडिंग मामले में सजा सुनाए जाने के बाद से ही जमात-उद-दावा का उप प्रमुख खुद को लो प्रोफाइल रखे हुए था ।

पूर्व PM मनमोहन सिंह को अमेरिकी विदेशमंत्री ने श्रद्धांजलि दी:NYT ने कहा- मृदुभाषी और बुद्धिजीवी का निधन

नई दिल्ली पूर्व PM मनमोहन सिंह को अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने पूर्व PM के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भारत-अमेरिका संबंधों का महान समर्थक बताया। ब्लिंकन ने मनमोहन सिंह के कार्यों को पिछले 2 दशक में भारत और अमेरिका की द्विपक्षीय उपलब्धियों की नींव बताया। ब्लिंकन ने कहा कि पूर्व PM के नेतृत्व में हुए अमेरिका-भारत सिविल न्यूक्लियर कोऑपरेशन एग्रीमेंट ने दोनों देशों के संबंधों की संभावनाओं में बड़ा निवेश किया। मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की आयु में गुरुवार देर रात दिल्ली के AIIMS अस्पताल में निधन हो गया। ब्लिंकन के अलावा कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने भी मनमोहन सिंह के निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह असाधारण बुद्धिमत्ता, ईमानदारी और विवेक के धनी व्यक्ति थे। हार्पर ने कहा, 'उनके निधन से मुझे व्यक्तिगत रूप से गहरा दुख पहुंचा है।' अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने ब्लिंकन के संदेश की जानकारी वेबसाइट पर पोस्ट कर दी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने ब्लिंकन के संदेश की जानकारी वेबसाइट पर पोस्ट कर दी।

पूर्व PM के निधन पर वर्ल्ड मीडिया का रिएक्शन मनमोहन सिंह के निधन पर वर्ल्ड मीडिया में भी कई आर्टिकल पब्लिश हुए हैं। अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने उन्हें मृदुभाषी और बुद्धिजीवी बताया है। वहीं वॉशिंगटन पोस्ट ने भी पूर्व PM के निधन पर प्रतिक्रिया दी। अखबार ने अपनी पोस्ट में उन्हें बड़े बदलाव करने वाला नेता बताया है। अखबार उनके दोनों कार्यकाल पर टिप्पणी भी की। BBC ने पूर्व PM को आर्थिक सुधार का प्रणेता बताया। इसके अलावा अंग्रेजी अखबार द गार्जियन ने अपने आर्टिकल में मनमोहन सिंह को अनिच्छुक प्रधानमंत्री कहा।

बतौर PM मनमोहन सिंह 72 विदेशी दौरे किए प्रधानमंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह अपनी पहली विदेश यात्रा पर थाईलैंड गए थे। 29 से 31 जुलाई तक के अपने दिवसीय दौरे पर उन्होंने BIMSTEC समिट में हिस्सा लिया। अपने 10 साल के कार्यकाल में PM मनमोहन सिंह ने लगभग 72 विदेश यात्राएं की थी। प्रधानमंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह ने कई प्रमुख समझौते किए। इनमें अमेरिका के साथ 2008 में किया गया सिविल न्यूक्लियर समझौता बेहद अहम रहा।

इजराइली बमबारी में WHO चीफ ट्रेडोस बचेः यमन के एयरपोर्ट पर एयरस्ट्राइक में टेड्रोस के प्लेन का एक क्रू घायल

सना/तेल अवीव यमन की राजधानी सना में एयरपोर्ट पर गुरुवार को हुए इजराइली हमले में WHO चीफ ट्रेड्रोस एडेहोनम बाल-बाल बचे। टेड्रोस थोड़ी देर बाद एयरपोर्ट से रवाना होने वाले थे, तभी इजराइल की तरफ से ये हमला हुआ। हमले में विमान का एक क्रू घायल हुआ है। इसके अलावा अन्य दो लोगों की मौत हो गई है। ट्रेड्रोस ने X पर पोस्ट कर इस हमले की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि जब हम प्लेन में सवार होने वाले थे, उसके 2 घंटे पहले एयरपोर्ट पर बमबारी हुई। हमले में रनवे को नुकसान पहुंचा है। ट्रेडोस और उनके साथियों को रनवे की मरम्मत होने तक इंतजार करना होगा। उन्होंने हमले में मारे लोगों के प्रति दुख भी जताया। ट्रेडोस और उनकी टीम संयुक्त राष्ट्र की टीम के स्टाफ की रिहाई को लेकर बातचीत करने यमन पहुंची थी। इजराइल डिफेंस फोर्स (IDF) ने यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों को निशाना बनाते हुए गुरुवार एयरस्ट्राइक की थी। IDF ने दावा किया कि उसने इस एयरस्ट्राइक में हूतियों के सैन्य ठिकानों को टारगेट किया है। इसमें सना इंटरनेशनल एयरपोर्ट, हेजयाज और रस कानेतीब के पावर स्टेशन और अल हुदैदा, सलीफ और रस कानेतीब बंदरगाह शामिल हैं। एयरस्ट्राइक के लिए 25 विमानों का इस्तेमाल किया था। इनमें फाइटर जेट के अलावा, रिफ्यूलिंग प्लेन और जासूसी विमान भी शामिल थे। इन हमलों में 6 लोगों की मौत हुई है। दूसरी तरफ हूती विद्रोही भी लगातार इजराइल को निशाना बना रहे हैं। 16 दिसंबर से अब तक हूतियों ने इजराइल पर 5 बैलिस्टिक मिसाइलें और 5 ड्रोन हमले किए हैं। IDF के मुताबिक पिछले एक साल हूतियों ने इजराइल पर 200 से ज्यादा मिसाइलें और 170 ड्रोन दागे हैं।

मनमोहन सिंह को हमेशा याद रखेंगे... 'झेलम के बेटे' के जाने से दुख में डूबे पाकिस्तानी, बताया कैसे पाकिस्तान को दी थी मात

इस्लामाबादः भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह का 92 साल की अवस्था में दिल्ली में निधन हो गया है। मनमोहन सिंह ने एम्स में अंतिम सांस ली। पाकिस्तान में जन्मे मनमोहन सिंह के जाने से पाकिस्तानी भी बहुत दुखी है। उनका कहना है कि पाकिस्तान हमेशा झेलम के बेटे को याद रखेगा। पाकिस्तान के पूर्व मंत्री और पीटीआई नेता फवाद चौधरी ने कहा कि डॉक्टर मनमोहन सिंह का जाना वाकई बहुत दुखद खबर है। उन्होंने कहा कि भारत आज जिस आर्थिक स्थितरता का आनंद ले रहा है, वह डॉक्टर मनमोहन सिंह की दूरदर्शी नीतियों का नतीजा है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर सिंह का पाकिस्तान के झेलम इलाके में गाह गांव में जन्म हुआ था जो अब पाकिस्तानी पंजाब के चकवाल इलाके में पड़ता है। डॉक्टर सिंह झेलम के बेटे थे और हमेशा यहां के लोगों के लिए प्रेरणा के स्रोत रहेंगे।

पाकिस्तानी विश्लेषक कमर चीमा ने कहा कि डॉक्टर मनमोहन सिंह का भारत के लिए सबसे बड़ा योगदान अमेरिका से परमाणु डील है। इससे भारत का परमाणु अलगाव खत्म हो गया और एटमी तकनीक तक उसकी पहुंच हो गई। परमाणु परीक्षणों के बाद लगे प्रतिबंध भी खत्म हो गए। इसके बाद से ही भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते हमेशा के लिए नई ऊंचाई की ओर बढ़ गए। भारत एनपीटी का सदस्य नहीं है और इसके बाद भी अमेरिका ने नई दिल्ली के साथ नागरिक परमाणु डील किया। इसका पूरा क्रेडिट मनमोहन सिंह को जाता है। **मनमोहन ने भारत को दिलाई बढ़त, आज भी पिछड़ा पाक** कमर चीमा ने कहा कि पाकिस्तान इसका विरोध करता रहा लेकिन आज तक उस पर कोई सुनवाई नहीं हुई है। पाकिस्तान के पास आज भी इन परमाणु तकनीकों तक पहुंच नहीं हो पाई है। अमेरिका ने मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान भारत के साथ विदेशी रिश्ते बहुत मजबूत हो गए। आज भारत को कहा जाता है कि वह एक जिम्मेदार परमाणु ताकत है। इससे भारत को पश्चिमी देशों और जापान के साथ रक्षा तकनीकें आसानी से मिल जा रही हैं। कमर चीमा ने कहा कि मनमोहन ने पाकिस्तान के प्रति सख्त रुख रखा और पीएम रहने के दौरान कभी आए नहीं। पाकिस्तानी विश्लेषक ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच जब संबंध खराब हुए तो उन्होंने बातचीत को फिर से शुरू किया था। पाकिस्तानी सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने डॉक्टर सिंह से जुड़ा वाकया शेयर किया। कुरैशी इसमें कह

कई चीजें फिल्म की कहानी पर निर्भर करती है: सोनम वाजवा

पंजाबी इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस सोनम बाजवा चाहती है कि उनकी और सिंगर, एक्टर एमी विर्क की जोड़ी बॉलीवुड की फेमस जोड़ी शाहरुख खान और काजोल जैसा जादू स्क्रीन पर पैदा करे। सोनम और एमी विर्क की अपकमिंग फिल्म क्रॉस-कल्चरल फिल्म कुड़ी हरियाणा वल दी जल्द रिलीज होने को है। एक्ट्रेस ने एमी विर्क के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में कहा कि जब भी वह दोनों साथ काम करते हैं तो स्क्रीन पर ताजगी आ जाती है। एमी के साथ पुवाड़ा, निक्का जैलदार जैसी फिल्मों में काम करने वाली एक्ट्रेस ने बताया, कई चीजें फिल्म की कहानी पर निर्भर करती है। अगर कहानी और किरदार अलग हैं, तो आप अपने आप ही स्क्रीन पर ताजगी ला पाएंगे। अगर आप शाहरुख और काजोल की जोड़ी को देखें तो दोनों ने एक साथ कई सारी फिल्मों में काम किया है। मुझे नहीं लगता कि दर्शक कभी यह कहेंगे कि शाहरुख और काजोल फिर से वापस आ गए हैं। असल में लोग उनके साथ आने का इंतजार करते हैं। उन्होंने कहा कि एमी के साथ उनकी जोड़ी शाहरुख और काजोल की जोड़ी से बहुत पीछे है। मुकलावा फेम एक्ट्रेस ने कहा, काश हम भी उनके जैसा कुछ कर पाते, उन्होंने जितना किया है, उसका एक छोटा सा हिस्सा भी हम कर पाएं तो हम बहुत लकी होंगे। उन्होंने कहा, लोग उनकी (सोनम बाजवा और एमी विर्क) जोड़ी को पसंद करते हैं। हमारे प्रशंसकों में भी हमको लेकर उत्साह है। सोनम ने बताया कि वे विषय और कहानी के बारे में सोचते हैं और फिल्म में अपने आप ही ताजगी आ जाती है। एक्ट्रेस ने बताया, हमने कई फिल्मों में काम किया है मगर जो हमने कुड़ी हरियाणे वल दी में किया है वह अलग है। उन्होंने कहा कि यह स्वाभाविक है कि अगर किरदार अलग हैं, तो कलाकार भी अलग तरह से काम करेंगे। हरियाणवी जाटनी का डी-ग्लैम लुक निभाने में किसी तरह की हिचकिचाहट के बारे में सोनम ने कहा कि इसमें कोई हिचकिचाहट नहीं है, मुझे इस पर गर्व है कि हमारे देश की लड़कियां कैसी दिखती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, अगर मैं आउटफिट की बात करूं तो सूट पंजाब और हरियाणा दोनों में पहना जाता है। इसके लिए हमने हरियाणा में रहने वाली लड़की से प्रेरणा ली कि वह किस तरह के कपड़े पहनती हैं। बस उसी से हमने यह सब सीखा। उन्होंने कहा कि उन्होंने बहुत सी ऐसी फिल्में की हैं जहां उन्होंने ग्लैमर से हटकर किरदार निभाए हैं, और ऐसे किरदारों की अपनी खूबसूरती होती है। आगे कहा, मुझे सूट पहनना बहुत पसंद है। मुझे ऐसे किरदार निभाने में बहुत मजा आता है क्योंकि इससे आपका ध्यान आपके लुक, हेयरस्टाइल और मेकअप पर नहीं रहता। मुझे बहुत गर्व है कि मैंने ऐसे किरदार निभाए हैं।

आशिका जननी- एआई की कहानी शो में आएंगी नजर

हाई प्रोफाइल टीवी एक्ट्रेस आशिका भाटिया जननी-एआई की कहानी शो में नजर आएंगी। इस बारे में आशिका ने बताया कि उनके लिए एआई रोबोट की तरह एक्ट करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण था। एक्ट्रेस ने कहा, मेरे किरदार का नाम चांदनी है। मैं एआई रोबोट हूं, जो इंसानों की तरह लगती है। मेरे लिए रोबोट का एक्ट करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण था। मैंने पहले कभी भी ऐसा रोल नहीं किया था, इसलिए मैं इस खास मौके का फायदा उठाना चाहती थी। उन्होंने कहा, खास तौर पर चलते हुए किसी शो में आपको किसी ऐसे व्यक्ति की तरह बर्ताव करना होता है जो पहले से ही सीरीज में है। मेरे लिए किसी और की नकल करना काफी चुनौतीपूर्ण था, लेकिन मैंने इसे स्वीकार किया। जननी- एआई की कहानी इरा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक वैज्ञानिक से मां बनी है। वह घातक बीमारी से अपनी बेटी की जान बचाने के लिए एआई रोबोट का आविष्कार करती है। एमएजे प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, जननी- एआई की कहानी दंगल टीवी पर प्रसारित हो रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो आशिका को पिछली बार एंड टीवी पर वाणी रानी शो में देखा गया था। उन्होंने छोटे पर्दे पर मीरा शो में डेब्यू किया था। वह परवरिश - कुछ खट्टी कुछ मीठी में गुणवंत कौर अहलूवालिया के किरदार में नज़र आईं। इसके अलावा, उन्होंने 2015 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म प्रेम रतन धन पायो में सलमान खान की छोटी बहन का किरदार भी निभाया। आशिका ने लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट्स के रूप में एंट्री की, लेकिन कुछ ही हफ्तों बाद शो से बाहर आ गईं। शो में आशिका चांदनी के रोल में नजर आएंगी।

लोग आज भी मुझे फुलवा के नाम से जानते हैं: जन्नत जुबैर

एक्ट्रेस जन्नत जुबैर ने छोटे पर्दे के प्रतिष्ठित शो फुलवा में वापसी की इच्छा जताई है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह चाहेंगी कि फुलवा फिर से स्क्रीन पर आए, तो जन्नत ने कहा- क्यों नहीं? ये शो काफी अच्छा है। इतने सालों बाद लोग आज भी बालिका वधू, ना आना इस देस लाडो और फुलवा के बारे में बात करते दिखाई देते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि आज भी लोग उन्हें उनके किरदार फुलवा के नाम से बुलाते हैं। उन्होंने कहा, लोग आज भी मुझे फुलवा के नाम से जानते हैं, जो इस बात का सबूत है कि यह शो आज भी कितना प्रभावशाली है। लगभग 12-13 साल हो गए हैं। मुझे उम्मीद है कि ऐसे शो बनाए जाएंगे। लेकिन अगर फुलवा 2 या बालिका वधू 2 बनता है, तो मुझे लगता है कि प्रशंसक और लोग फिर से क्रेजी हो जाएंगे। फुलवा मध्य प्रदेश के मुरैना के पास चंबल के जंगल की पृष्ठभूमि पर आधारित शो था। इसमें फूलन देवी के जीवन की कहानी दिखाई गई है। कहानी भारत के एक डाकू-प्रभावित इलाके में रहने वाली एक गांव की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है। जन्नत ने भारत का वीर पुत्र - महाराणा प्रताप और तू आशिकी जैसे शो में भी काम किया है। वह रानी मुखर्जी अभिनीत हिचकी में दिखाई दी थीं। उन्होंने स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी 12 में भाग लिया। 2022 में उन्होंने मीडिया, मार्केटिंग और विज्ञापन श्रेणी में फोर्ब्स 30 अंडर 30 सूची में भी जगह बनाई। बता दें कि जन्नत ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत सामाजिक नाटकों में एक बाल कलाकार के रूप में की थी, जिसमें 2010 का शो काशी - अब ना रहे तेरा कागज कोरा और 2011 में प्रसारित फुलवा शामिल है।

टीवी चैनल के एक्जीक्यूटिव ने चुरा ली थी इमरान की कहानी

हाल ही में एक्टर इमरान खान ने खुलासा किया कि उनकी कहानी को एक टेलीविजन चैनल के एक्जीक्यूटिव ने चुरा लिया था। एक्टर की माने तो वह 2005 में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत लौटे थे, तब वह डायरेक्टर और राइटर बनने की ख्वाहिश रखते थे। लेकिन शुरू में एक्टिंग उनके माइंड में नहीं थी। उन्होंने अपनी कहानियों का एक फोल्डर बनाया और किसी को बताए बिना ही एक टेलीविजन चैनल को प्रस्ताव देने के लिए चले गए। इमरान खान ने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे को बताया, चैनल ने उनके विचारों की सराहना की, लेकिन उन्होंने फिर कभी उनसे कोई बात नहीं की। फिर एक दिन उनकी एक एक्ट्रेस दोस्त ने बताया कि उन्हें एक ऐसे रोल में कास्ट किया गया है, जिसकी कहानी उनके द्वारा पेश स्क्रिप्ट की रूपरेखा से काफी मिलती-जुलती है। एक्टर ने बताया, मैं उनसे मिलने गया और जब उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट दी, तो उसमें मेरी कहानी की रूपरेखा से काफी समानता थी। इसलिए, उन्होंने मेरी बात मान ली और इसे एक एपिसोड बनाने के लिए विस्तारित किया। मैंने उन लोगों को फोन करके उनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनसे कभी यह पूछने के लिए संपर्क नहीं कर सका कि आप लोगों ने क्या किया? इस एक्सपीरियंस ने न केवल इमरान खान में कुछ बदलाव किया, बल्कि उन्हें अब्बास टायरवाला से भी मिलवाया। एक्टर ने इनके साथ बाद में अपनी पहली फिल्म जाने तू... या जाने ना में काम किया। इमरान खान ने यह सोचकर एक फिल्म के लिए स्क्रीन टेस्ट देने का फैसला किया कि अगर वह एक एक्टर के रूप में सफल होते हैं, तो उनका नाम पहचाना जाएगा।

फिल्म 21 में बतौर नायक अभिनय करेंगे अगस्त्य नंदा

गत वर्ष नवोदित एक्टर अगस्त्य नंदा ने जोया अख्तर निर्देशित फिल्म आर्चीज से फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान ने भी अपने कदम इस फिल्म के जरिये आगे बढ़ाए। लेकिन यह फिल्म इन दोनों बच्चों के लिए कुछ खास न कर सकी। ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित हुई इस फिल्म को दर्शकों ने स्वीकार नहीं किया। असफल शुरूआत की बाद भी अगस्त्य नंदा को निर्देशक श्रीराम राघवन ने अपनी फिल्म 21 में नायक के तौर पर लिया है। इन दिनों अगतस्त्य इसी फिल्म को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। अगस्त्य ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की। बताया जा रहा है कि 21 के लिए राघवन ने पहले वरुण धवन को लेने का मानस बनाया लेकिन किन्हीं परिस्थितियों के चलते यह सम्भव नहीं हो सका और उनके स्थान पर अगस्त्य नंदा को लिया गया। इसमें व्हाइट ब्लेजर पहने अगस्त्य एक ग्रे कलर की कुर्सी पर बैठे हैं और उस पर पीछे 21 लिखा हुआ है। फिल्म में गुजरे जमाने के दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत भी खास रोल प्ले कर रहे हैं। फिल्म के निर्देशक श्रीराम राघवन हैं। श्रीराम राघवन ने हिन्दी सिनेमा को बदलापुर और अंधाधुन सरीखी फिल्में देने के साथ ही गद्दार सरीखी थ्रिलर फिल्म दी है। उनकी फिल्म के प्रति दर्शकों का एक अलग रूझान रहता है। इसे दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स के तहत बनाया जा रहा है। यह 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को सैकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित एक बैटल ड्रामा माना जा रहा है। उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। बताया जा रहा है कि इस फिल्म से अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया भी डेब्यू करने जा रही हैं।

जो चीजें मुझे सही नहीं लगतीं, उन्हें करने से बचता हूं : कार्तिक

हाल ही में बालीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन ने एक इंटरव्यू में फेयरनेस क्रीम के एड्स को बंद करने को लेकर बात की। कार्तिक ने कहा- कुछ समय पहले मैंने एक फेस क्रीम का एड किया था, पर फिर मैंने ये करना बंद कर दिया। मैं असल में कन्विन्स नहीं हो पाया। मैंने इस कॉन्ट्रैक्ट को रीन्यू नहीं किया ये सोचकर कि मैं गलत कर रहा हूं। इसी इंटरव्यू में कार्तिक आर्यन ने पान मसाला एड के बारे में भी बात की और कहा कि मुझे काफी बार पान मसाला का एड ऑफर हुआ है। कई ब्रैंड्स ने मुझे अप्रोच किया, लेकिन मैंने इनकार कर दिया। मैं इन चीजों से खुद को रिलेट नहीं करता हूं तो मैं अपने दर्शकों को क्यों परोसूं। मैं कोशिश करता हूं कि जो चीजें मुझे सही नहीं लगतीं, उन्हें करने से मैं बचूं। इसी पर जब कार्तिक से पूछा गया कि बाकी के एक्टर्स तो करते हैं तो कार्तिक ने कहा कि मैं उनके बारे में कुछ नहीं कह सकता, क्योंकि उनके लिए शायद ये करना सही होगा। मेरे लिए नहीं है। बता दें, सोनू के टीटू की स्वीटी फिल्म के बाद कार्तिक आर्यन ने साल 2018 में फेयरनेस क्रीम का एड किया था। पुरुष गोरे हो सकते हैं, इस बात को कार्तिक ने ये एड करके बढ़ावा दिया था। लोगों के इसपर विवाद करने के बाद कंपनी ने अपनी क्रीम का नाम बदल दिया था और कार्तिक ने भी इससे किनारा कर लिया था। काम की बात करें तो कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म चंदू चैंपियन को लेकर काफी चर्चा में हैं, जिसका वो जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। मालूम हो कि बॉलीवुड इंडस्ट्री के हैंडसम हंक कार्तिक आर्यन इंडस्ट्री के बेहतरीन एक्टर्स में से एक हैं। वह फिल्मों के अलावा एड्स में भी काम कर चुके हैं। कुछ सालों पहले कार्तिक फेयरनेस क्रीम के एड्स में नजर आए थे, लेकिन उन्होंने इन एड्स को करना बंद कर दिया है। यहां तक कि फेयरनेस क्रीम के कॉन्ट्रैक्ट को भी एक्टर ने रीन्यू नहीं किया है।

कभी शाहरुख खान से ज्यादा फीस मिली थी फराह खान को

फिल्म कभी हां कभी ना के रिलीज के 30 साल बाद फिल्म की कोरियोग्राफर फराह खान ने एक शॉकिंग खुलासा किया है। कोरियोग्राफर-फिल्म निर्माता फराह खान शाहरुख खान के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए बहुत सारी चटपटी बातों का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह शाहरुख खान देखती ही समझ गई थीं उनकी और शाहरुख के बीच बेहद अच्छी बॉन्डिंग बन जाएगी। वे दोनों जल्दी ही एक दूसरे के साथ घुल-मिल जाएंगे। फराह खान ने याद किया कि दोनों पहली बार फिल्म कभी हां कभी ना के सेट पर मिले थे। उन दिनों शाहरुख खान फिल्मों में नए थे और उनके पास पैसे थे इसलिए वे फराह के सहायक के रूप में काम करते थे। फराह ने कहा कि उन्होंने वास्तव में फिल्म में शाहरुख से अधिक पैसा कमाया।शाहरुख के साथ दशकों पुरानी दोस्ती के बारे में पूछे जाने पर फराह ने कहा- हमने 1991 में शूटिंग शुरू की थी और मैं भी नई थी। हम गोवा में थे और मैंने शाहरुख का एक इंटरव्यू पढ़ा था जिसमें वह बहुत ही अकडू और घमंडी लग रहे थे। मैं बहुत डर गई थी। मुझे याद है कि जब हम पहली बार मिले थे तो उन्होंने क्या पहना था और क्या कर रहे थे। डायरेक्टर कुंदन शाह ने हमारा परिचय कराया था। कभी-कभी, आप तुरंत किसी से घुल-मिल जाते हैं। आपको ऐसा लगता है कि आप स्कूल के दोस्त हैं। शाहरुख के साथ भी ऐसा ही था। हमारी रुचियां एक जैसी थीं। हमने एक जैसी किताबें पढ़ी थीं, हमारा सेंस ऑफ ह्यूमर भी एक जैसा था। फराह ने बताया कि शाहरुख ने गरीब की शूटिंग के दौरान उनकी काफी मदद की थी। उन्होंने आगे कहा, बजट बहुत कम था। शाहरुख को उस फिल्म के लिए 25,000 रुपये दिए गए थे, मैं आपको बता दूं कि उस फिल्म में मुझे सबसे ज्यादा पैसे मिले थे। मुझे हर गाने के लिए 5,000 रुपये दिए गए थे और उसमें छह गाने थे। बस इसी वजह से मुझे 30,000 रुपये दिए गए थे। हम एक असिस्टेंट भी नहीं रख सकते थे। इसलिए, अपना मेरे प्यार को के पूरे गाने के लिए हमने गोवा से ऐसे लोगों को कास्ट किया। फराह ने कहा कि चूंकि एक्स्ट्राज़ को यह नहीं पता था कि संकेत कैसे लेना है या निशान कैसे मारना है, इसलिए शाहरुख़ बारी-बारी से उन्हें चुटकी बजाते थे ताकि वे गाने में दीवार के पीछे से उठ सकें। फराह ने शाहरुख़ को तीन फ़िल्मों में निर्देशित भी किया है - मैं हूँ ना, ओम शांति ओम, और हैप्पी न्यू ईयर। 2000 के दशक के अंत और 2010 के दशक की शुरुआत में कई सालों तक वे एक-दूसरे से बात नहीं करते थे, लेकिन बाद में उनके बीच सुलह हो गई। मालूम हो कि शाहरुख खान की हिट फिल्म कभी हां कभी ना में शाहरुख की जोड़ी एक्ट्रेस सुचित्रा कृष्णमूर्ति संग बनी थी। इस फिल्म का कुंदन शाह ने बनाया था। फिल्म के साथ ही साथ इसके गाने भी काफी फेमस हुए थे। फिल्म का गाना ऐ काश के हम, सच्ची ये कहानी है, दीवाना दिल दीवाना आज भी दर्शकों को काफी पसंद है। यह फिल्म साल 1994 में रिलीज हुई थी।

2024 के टॉप गूगल ट्रेंड में रहा टी-20 वर्ल्ड कपःइंडिया vs इंग्लैंड टेस्ट सीरीज चौथे नंबर पर; हार्दिक-शशांक भारत में टॉप एथलीट

भारत ने साउथ अफ्रीका को फाइनल हराकर टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीता था। 2024 में ICC का मेंस टी-20 वर्ल्ड कप गूगल ट्रेंडिंग लिस्ट के टॉप-5 में शामिल रहा। कोपा अमेरिका और यूरो कप के बाद लोगों ने सबसे ज्यादा ICC टूर्नामेंट को ही सर्च किया। भारत और इंग्लैंड के बीच जनवरी-फरवरी में हुई टेस्ट सीरीज ट्रेंडिंग में चौथे नंबर पर रही। 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप अमेरिका और वेस्टइंडीज में जून के दौरान खेला गया। भारत ने सभी मैच जीते और फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था। ICC चेयरमैन जय शाह ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर गूगल की ट्रेंडिंग लिस्ट को शेयर किया। जिसमें टी-20 वर्ल्ड कप और इंडिया-इंग्लैंड सीरीज शामिल रही।

फुटबॉल के 2 टूर्नामेंट टॉप पर रहे अमेरिकन देशों के बीच होने वाला फुटबॉल टूर्नामेंट कोपा अमेरिका कप इस साल सबसे ज्यादा सर्च किया गया। अमेरिका में हुए टूर्नामेंट के फाइनल में अर्जेंटीना ने कोलंबिया को 1-0 से फाइनल हराकर खिताब जीता था। यूरोपियन देशों में होने वाला फुटबॉल टूर्नामेंट यूरो कप गूगल ट्रेंड में दूसरे नंबर पर रहा। स्पेन ने फाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराकर खिताब जीता था। टूर्नामेंट जर्मनी में हुआ था। फुटबॉल के दोनों ही टूर्नामेंट जून-जुलाई में खेले गए, 15 जुलाई को ही दोनों के फाइनल भी हुए। **यूरो कप में स्पेन ने इंग्लैंड को फाइनल हराकर टाइटल जीता था।** भारत ने 17 साल बाद जीता था टी-20 वर्ल्ड कप

टॉप ट्रेंडिंग में टी-20 वर्ल्ड कप तीसरे नंबर पर रहा। भारत टूर्नामेंट में अजेय रहा। टीम ने पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमों को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल में टीम ने साउथ अफ्रीका को हराया और 17 साल बाद खिताब जीता, टीम ने इससे पहले 2007 में पहला टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। टॉप-5 प्लेयर्स सर्च में कोई भारतीय नहीं

ओलिंपिक में जेंडर विवाद के कारण ट्रोलिंग झेलने वालीं अल्जीरिया की बॉक्सर इमैन खलीफ प्लेयर्स में सबसे ज्यादा सर्च की गईं। बॉक्सर माइक टायसन दूसरे और जैक पॉल पांचवें नंबर पर रहे। सर्च लिस्ट में स्पेन के युवा फुटबॉलर लामिन यमाल तीसरे और अमेरिका की जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स चौथे नंबर पर रहीं।

हार्दिक और शशांक टॉप-10 प्लेयर्स सर्च में शामिल

भारत के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और शशांक सिंह 2024 में सबसे ज्यादा सर्च किए गए टॉप-10 एथलीट्स में शामिल रहे। हार्दिक 7वें और पंजाब किंग्स के बैटर शशांक 9वें नंबर पर रहे। टॉप-10 में यहीं 2 प्लेयर्स भारतीय प्लेयर्स क्यों रहे, पॉइंट्स में जानते हैं...

हार्दिकः IPL टीम मुंबई इंडियंस के कप्तान बनने के बाद ट्रोलिंग का शिकार हुए। फैन्स ने स्टेडियम और सोशल मीडिया पर हूटिंग की। हार्दिक ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपने बेहतरीन प्रदर्शन से सभी आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। फाइनल के आखिरी ओवर में 15 रन डिफेंड किए। पत्नी नताशा स्टेनकोविक से तलाक भी हो गया। हार्दिक पंड्या ने टी-20 वर्ल्ड कप का टाइटल जीतकर अपने आलोचकों का मुंह बंद किया था।

शशांकः IPL ऑक्शन में पंजाब ने पहले कहा कि उन्होंने शशांक को गलती से खरीदा। बाद में टीम ने कहा, वह इसी शशांक को खरीदने वाले थे। शशांक ने 14 मैच में 164 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 354 रन बनाए। टीम ने कोलकाता के खिलाफ 262 रन का IPL इतिहास का सबसे बड़ा टारगेट हासिल किया। शशांक ने 28 गेंद पर 68 रन बनाए और विनिंग शॉट भी खेला।

पंजाब किंग्स ने IPL 2025 ऑक्शन से पहले 2 ही प्लेयर्स रिटेन किए। शशांक सिंह इनमें शामिल रहे। **टॉप-10 ट्रेंडिंग टीम में एक भी भारत की नहीं** सबसे ज्यादा सर्च की गईं स्पोर्ट्स टीमों में भारत और क्रिकेट की एक भी टीम नहीं रही। बेसबॉल टीम न्यू यॉर्क यैंकीज पहले और LA डोजर्स दूसरे नंबर पर रही। टॉप-5 में फुटबॉल की 2 और बास्केटबॉल की एक टीम रही। नेशनल टीम में अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम ही टॉप-10 में शामिल हो सकी, टीम 8वें नंबर पर रही।

ऑस्ट्रेलियन मीडिया ने कोहली को जोकर कहा, धोखेबाज राजा बताया: मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई डेब्यूटेंट सैम कोंस्टास को धक्का मारने पर विवाद

दूसरे दिन बॉक्सिंग डे टेस्ट में स्कॉट बोलैंड की गेंद पर आउट होने के बाद पवेलियन लौटते समय कुछ फैंस ने विराट कोहली को चिढ़ाया, जिससे कोहली भड़क गए। पहले दिन से ही दर्शकों से परेशान कोहली की 19 साल के युवा खिलाड़ी सैम कोंस्टास से भी झड़प हुई थी।

मेलबर्नः बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन विराट कोहली का फैंस के साथ विवाद हो गया। बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन स्कॉट बोलैंड की गेंद पर आउट होने के बाद पवेलियन लौटते समय कुछ फैंस ने कोहली को चिढ़ाया। इससे कोहली भड़क गए। मैदान की टनल में घुसने के बाद कोहली वापस आ गए। उन्होंने मुड़कर उन लोगों को घूरा जिन्होंने उन्हें चिढ़ाया था। हालांकि मामला बिगड़ने से पहले MCG सुरक्षाकर्मी ने कोहली को शांत कराया और टनल से अंदर ले गए।

पहले दिन से ही चल रहा विवाद मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर चल रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के पहले दिन से ही दर्शक विराट कोहली को परेशान कर रहे थे। यह सब तब शुरू हुआ जब विराट कोहली की 19 साल के सैम कोंस्टास से भिड़ंत हो गई। कोंस्टास ने इसी मैच से इंटरनेशनल डेब्यू किया है। दोनों खिलाड़ियों का कंधे से कंधा टकरा गया। कई लोगों का कहना है कि विराट कोहली ने जानबूझकर युवा खिलाड़ी को टक्कर मारी।

फिर बाहर की गेंद पर आउट हुए कोहली

विराट कोहली एक बार फिर ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर आउट हुए। तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को विराट का विकेट मिला। वह शुरुआत में लगातार बाहर की गेंद को छोड़ रहे थे। लेकिन यशस्वी जायसवाल के साथ तालमेल बिगड़ने की वजह से विकेट गिरा। इससे विराट की एकाग्रता भी भंग हो गई। उन्होंने बाहर की गेंद पर बल्ला लगाया और 36 रनों के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। **भारत की आधी टीम लौटी पवेलियन**

82 रन बनाने वाले यशस्वी जायसवाल के रन आउट होने के बाद भारतीय पारी लड़खड़ा गई। इससे बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच के दूसरे दिन आस्ट्रेलिया ने मैच पर पकड़ और मजबूत कर ली। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 474 रन के जवाब में भारतीय टीम ने जायसवाल और विराट कोहली की शतकीय पारी से मैच में वापसी का प्रयास किया था। स्टंप्स के समय भारत का स्कोर पांच विकेट पर 164 रन था और टीम पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया से 310 रन पीछे है।

वेस्टइंडीज पर कहर बनकर टूटी दीप्ति शर्मा, रेणुका ठाकुर ने भी 4 विकेट लेकर किया कमाल

तीन वनडे मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय महिला टीम ने कमाल की गेंदबाजी करते हुए मेहमान टीम को सिर्फ 162 रन के स्कोर पर समेट दिया। टीम इंडिया के लिए रेणुका ठाकुर ने 4 और दीप्ति शर्मा ने 6 विकेट अपने नाम किए।

*__वडोदराः__ भारत की स्टार महिला रेणुका ठाकुर और दीप्ति शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में कहर बरपा दिया। सबसे पहले रेणुका ठाकुर ने अपने शुरुआती स्पैल से वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी की कमर तोड़ी और उसके बाद दीप्ति ने अपनी फिरकी का ऐसा जादू चलाया कि मेहमान टीम को दिन में तारे नजर आ गए। दीप्ति शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 ओवर स्पैल में 31 रन देकर 6 विकेट अपने नाम किए। वहीं रेणुका ने अपनी गेंदबाजी में 29 रन खर्च कर 4 विकेट लिए। ठाकुर ने सटीक लाइन और लैंग्थ के साथ गेंदबाजी करके शीर्षक्रम की चूलें हिला दी तो दीप्ति ने फिरकी का जाल बुनकर मध्यक्रम और निचले क्रम को रवाना किया। वनडे में पांच या अधिक विकेट लेने का कारनामा उन्होंने तीसरी बार किया है जबकि दूसरी बार छह विकेट चटकाए हैं। इन दोनों गेंदबाजों के वेस्टइंडीज की बैटिंग पूरी तरह से असहाय नजर आई। IND W vs WI W: स्मृति मंधाना और रेणुका सिंह ने किया कमाल, भारत की वनडे में रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी जीत **वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों की हालत हुई खराब** वेस्टइंडीज के लिये शिनेले हेनरी (61) और शेमाइन कैंपबेल (46) ने 97 रन की साझेदारी की । अगर यह साझेदारी नहीं होती तो वे सौ रन भी नहीं बना पाते। इनके अलावा आलिया एलेनी (21) ही दोहरे अंक तक पहुंच सकी। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों के इस निराशाजनक प्रदर्शन के कारण वह 200 रन के स्कोर के भीतर सिमट गई। बॉक्सिंग डे टेस्टः भारत के खिलाफ प्लेइंग-11 का ऐलान किया, ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहली बार होगा ऐसा*

टॉस जीतकर बल्लेबाजी का वेस्टइंडीज का फैसला गलत साबित हुआ और ठाकुर ने पहली ही गेंद पर सलामी बल्लेबाज कियान को आउट कर दिया जबकि हेली मैथ्यूज भी खाता खोले बिना उनका दूसरा शिकार हुई। इसके बाद ठाकुर ने डिएंड्रा डोटिन (पांच) का विकेट लेकर कैरेबियाई टीम को करारा झटका दिया। इसके बाद से दीप्ति ने मोर्चा संभाला । वेस्टइंडीज की पारी 39वें ओवर में समाप्त हो गई। भारत तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है।

प्रो कबड्डी लीग में खत्म हुआ यू मुंबा का सफर, जीत के साथ सेमीफाइनल में पटना पाइरेट्स

प्रो कबड्डी लीग के एलिमिनेटर-2 मुकाबले में पटना पाइरेट्स ने यू मुंबा को 31-23 से हराया, जिससे पटना को चौथे सेमीफाइनलिस्ट का स्थान मिला। पटना का अब सामना दबंग दिल्ली केसी से होगा। मैच में पटना के लिए अयान, देवांक और गुरदीप ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पुणेः प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन की चौथी सेमीफाइनलिस्ट टीम के नाम का खुलासा हो गया है। बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में गुरुवार रात को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के एलिमिनेटर-2 मुकाबले में यू मुंबा को 31-23 से हराकर तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स चौथी सेमीफाइनलिस्ट बनी। मुंबा को घर लौटना होगा और पटना का अब सेमीफाइनल में दबंग दिल्ली केसी से सामना होगा। चौथे खिताब के लिए प्रयासरत पटना की जीत में अयान (10), देवांक (8) और गुरदीप (5) का योगदान रहा जबकि मुंबा के लिए जफरदानेश (7) और अजीत (5) ही कुछ हद तक चमक दिखा सके। पटना की टीम ने 17वीं बार प्लेऑफ खेलते हुए 12वीं जीत हासिल की है। पटना ने डिफेंस में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 7 के मुकाबले 11 अंक लेकर अंतर पैदा किया। मुंबा के डिफेंस ने अच्छी शुरुआत की और पहली रेड पर देवांक को लपक लिया। लेकिन अयान ने परवेश को बाहर कर उन्हें रिवाइव करा लिया। अजीत ने गुरदीप को बाहर किया तो देवांक ने सुनील के रूप में बड़ा शिकार कर लिया। इसके बाद पटना ने लगातार दो अंक के साथ स्कोर 4-2 कर दिया। फिर अयान ने चार के डिफेंस में लोकेश को आउट कर मुंबा के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। मुंबा आलआउट की कगार पर थे लेकिन जफर ने मल्टीप्वाइंटर के साथ एक रिवाइव ले लिया लेकिन जल्द ही पहला ऑलआउट लेकर पटना ने 11-5 की लीड ले ली। आलइन के बाद मुंबा के डिफेंस ने पलटवार कर देवांक को लपक लिया। 10 मिनट बाद पटना 11-6 से आगे थे। ब्रेक के बाद पटना ने रोहित, जफर और अजीत को बाहर कर लीड दोगुनी कर दी।

देवांक ने इस मैच में तीसरी बार सुनील को बाहर कर स्कोर 15-7 कर दिया। रोहित के डू ओर डाई रेड पर आउट होने के बाद मुंबा के लिए सुपर टैकल आन था और लोकेश ने देवांक को लपक दो अंक ले स्कोर 9-16 कर दिया। इसके बाद अजीत ने एक अंक लिया। बहरहाल, पटना ने 17-11 के स्कोर पर पाला बदला। अजीत ने आलइन के बाद भी एक अंक लेकर फासला 5 का कर दिया। अजीत ने इसके बाद चार के डिफेंस में हामिद को बाहर कर पटना के लिए सुपर टैकल आन कर दिया लेकिन अयान ने परवेश का शिकार कर इस स्थिति को टाल दिया। हालांकि पटना फिर सुपर टैकल सिचुएशन में आ गए लेकिन अयान ने उसे फिर उबार लिया।

इस बीच मुंबा के डिफेंस ने देवांक का शिकार किया तो अजीत को लपक अयान ने सुपर टैकल के दो अंक ले लिए। 30 मिनट के बाद पटना 22-17 से आगे थे। ब्रेक के बाद पटना ने लीड सात की कर ली।

हालांकि डू ओर डाई रेड पर मुंबा ने अयान को लपक लिया लेकिन अजीत का शिकार कर पटना ने इसका जवाब दिया। फिर रोहित लपक लिए गए। लीड 9 की हो चुकी थी और अब सिर्फ 4 मिनट बचे थे। फिर देवांक ने एक अंक के साथ मुंबा को आलआउट की ओर धकेला लेकिन धनसेकर ने उसे उबार लिया।

अगली रेड पर भी धनसेकर ने अंक लिया। इसके बाद मुंबा ने वापसी की तमाम कोशिशें की लेकिन उसका प्रयास नाकाम रहा और वह घर लौटने को मजबूर हुई।

आंख बंद कर भागे यशस्वी भागे, गेंद को देखने लगे विराट... टर्निंग पॉइंट वाले रन आउट के लिए जिम्मेदार कौन?

बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय टीम का प्रदर्शन मिश्रित रहा। ओपनर्स के जल्दी आउट होने के बाद यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली ने पारी को संभाला। यशस्वी का अर्धशतक आया। वह शतक की तरफ बढ़ रहे थे लेकिन शतकीय साझेदारी के बाद रन आउट हो गए।

मेलबर्नः ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम ने बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन 51 रन पर दो विकेट खो दिए थे। कप्तान रोहित शर्मा दूसरे ही ओवर में आउट हुए तो केएल राहुल सेट होने के बाद टी ब्रेक से पहले पवेलियन लौट गए। दो विकेट गिरने के बाद यशस्वी जायसवाल ने विराट कोहली के साथ मिलकर पारी को संभाला। यशस्वी ने अपना अर्धशतक पूरा किया और कोई भी गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों को परेशान नहीं कर पा रहा था। **रन आउट हो गए यशस्वी**

यशस्वी जायसवाल शतक की तरफ बढ़ रहे थे। उनका स्ट्राइक रेट कभी 70 का था लेकिन फिर कुछ ऐसा हुआ जो भारतीय टीम कभी नहीं चाहती थी। विराट कोहली और यशस्वी का तालमेल बिगड़ गया। इसका नतीजा ये हुआ कि यशस्वी रन आउट हो गए। 41वें ओवर की आखिरी गेंद को यशस्वी ने मिड ऑन की तरफ खेला और रन लेने के लिए दौड़ पड़े। विराट गेंद को देख रहे थे। वह क्रीज में खड़े ही रह गए और यशस्वी उनके पास तक पहुंच गए।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0535 एवं 1272 खलखुटवा रातू रोड पुलिस स्टेशन रांची में विजय जनरल स्टोर किनू चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फोन नं ,0651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670